सुविचार

किताबें पढ़ते रहें, लेकिन याद रखें कि किताब सिर्फ किताब है। आपको अपने बारे में सोचना सीखना चाहिए।

–मैक्सिम गोर्की

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 07 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 25 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Bhumi Pednekar's Romantic Comedy...

SHARE

सेंसेक्स	:	78,058.16
निफ्टी	:	23,603.35

SARAFA

सोना	:	8,210
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जैक के नए अध्यक्ष बने डॉ. नटवा हांसदा

RANCHI : हेमंत सरकार ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल के नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, रांची के राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य डॉ. नटवा हांसदा को झारखंड एकेडमिक काउंसिल का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राज्य शिक्षा प्रणाली में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। डॉ. हांसदा के पास शिक्षा के क्षेत्र में काफी अनुभव है और उन्हें शिक्षा के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों की भी गहरी समझ है। उनकी नियुक्ति से राज्य के शैक्षिक ढांचे को मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है। ज्वाइनिंग की तिथि से उनका कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होगा। उम्मीद की जा रही है कि डॉ. हांसदा के नेतृत्व में झारखंड एकेडमिक काउंसिल शैक्षिक उन्नति और सुधार की दिशा में नई पहल करेगी।

बांग्लादेश ने भारत के समक्ष दर्ज कराया विरोध

DHAKA : बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा भारत प्रवास के दौरान दिये गये झूठे और मनगढ़ंत बयानों को लेकर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने यहां यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम हसीना द्वारा बुधवार रात सोशल मीडिया के माध्यम से दिए गए भाषण के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने देशवासियों से मौजूदा शासन के खिलाफ संगठित तौर पर प्रतिरोध का आह्वान किया था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने भारत सरकार के समक्ष पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा सोशल मीडिया समेत विभिन्न मंचों पर लगातार की जा रही झूठी मनगढ़ंत टिप्पणियों और बयानों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का पीएम मोदी ने दिया जवाब

'सबका साथ, सबका विकास' हमारा मूलमंत्र कांग्रेस के लिए 'परिवार प्रथम' : प्रधानमंत्री

कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण का लगाया आरोप, विपक्ष ने जताया विरोध

NEW DELHI (BHASHA) : गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब दिया। कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' उनकी सरकार का मूलमंत्र रहा है, जबकि कांग्रेस का मूलमंत्र 'परिवार प्रथम' रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उसने राजनीति का एक ऐसा मॉडल तैयार किया था, जिसमें झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार परिवारवाद, तुष्टीकरण आदि का घालमेल था। कांग्रेस के मॉडल में परिवार प्रथम ही सर्वोपरि है। इसलिए, उनकी नीति-रीति, वाणी-वर्तन उस एक चीज को संभालने में ही खपता रहा है। प्रधानमंत्री के जवाब के बाद उच्च सदन विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को अस्वीकार करते हुए राष्ट्रपति के अभिभाषण से संबंधित धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दी।

तकरीबन 91 मिनट के अपने संबोधन का अधिकतर हिस्सा प्रधानमंत्री ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आपातकाल और कथित कुशासन सहित विभिन्न मुद्दों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर केंद्रित रखा और कहा कि उसके ह्यपंजेह्व से मुक्त होकर देश आज 'चैन की सांस ले रहा है और ऊंची उड़ान भी भर रहा है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के लाइसेंस राज और उसकी कुनीतियों से बाहर निकलकर हम मेक इन इंडिया को बढ़ावा दे रहे हैं। आज पूरी दुनिया भारत की आर्थिक क्षमता को पहचानने लगी है। आज दुनिया हमें तेज गति से आगे बढ़ने वाले देश के रूप में देख रही है। हम अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पांच-छह दशकों तक लोगों के पास वैकल्पिक मॉडल नहीं था, लेकिन वह बड़े गर्व के साथ कहते हैं कि 2014 के बाद देश को एक नया मॉडल देखने को मिला, जो तुष्टीकरण पर आधारित नहीं है, बल्कि 'संतुष्टीकरण' पर आधारित है।

संसाधनों के अधिकतर प्रयोग पर ध्यान : मोदी ने कहा कि भाजपा नीत सरकार संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवंत मीडिया और लोकतंत्र वाले देश ने उन्हें तीसरी बार देश की सेवा का मौका दिया और यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि जनता ने विकास के उनके मॉडल को परखा, समझा और समर्थन दिया है। इस मॉडल को हमें एक शब्द में समझना है तो यह है 'राष्ट्र प्रथम'। इसी भावना और समर्पित भाव से हमने लगातार अपनी नीतियों में, अपने कार्यक्रमों में, वाणी-वर्तन के माध्यम से देश की सेवा करने का प्रयास किया है।

ओबीसी आयोग को दिया संवैधानिक दर्जा : प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर जातिवाद का जहर फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि जब तक वह सत्ता में रही, तब तक उसने ना तो संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर को भारत रत्न दिया, ना ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। उन्होंने कहा, तीन दशक तक, दोनों सदनों में सभी दलों के ओबीसी सांसद सरकारों से मांग करते रहे थे कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, लेकिन उनकी मांग को ठुकरा दिया गया। क्योंकि शायद उस समय उनकी (कांग्रेस) राजनीति को ये सूट नहीं करता होगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने एससी-एसटी कानून को मजबूत बनाकर दलित और आदिवासी समाज के सम्मान और सुरक्षा के संबंध में अपनी प्रतिबद्धता भी दिखाई और उसको बढ़ाया भी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहली बार उनके नेतृत्व वाली सरकार ने सबका साथ-सबका विकास के मंत्र की प्रेरणा से सामान्य वर्ग के गरीब को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया और वह भी बिना किसी तनाव के और किसी से छीने बिना दिया।

बाबा साहेब को भारत रत्न देने का उल्लेख : पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, बाबा साहेब को कभी भी भारत रत्न के योग्य नहीं समझा गया। इस देश के लोगों ने, सर्व-समाज ने बाबा साहेब की भावना का आदर किया। तब आज कांग्रेस को मजबूरन 'जय भीम' बोलना पड़ रहा है। मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में भारत की उपलब्धियों के बारे में बताया।

राज्यसभा में बोलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के एक पूर्व वित्त मंत्री ने माना था कि लाइसेंस व परमिट के बिना कोई काम नहीं होता और उन्होंने ये भी कहा था कि लाइसेंस परमिट बिना रिश्वत के नहीं होता है। उन्होंने दावा किया कि उच्च सदन में कांग्रेस के एक सदस्य मौजूद हैं, जिनके पिताजी कार खरीदना चाहते थे और उनके पास पैसे भी थे, लेकिन 15 साल तक उन्हें कार खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ा था और वह भी कांग्रेस के ही राज में।

पीएम के भाषणा में हमें गालियां देने के अलावा कुछ नहीं : कांग्रेस

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए सिर्फ हताशा और कुंठा से भरी बातें की। मुख्य विपक्षी दल को गालियां देने के अलावा कोई नई बात नहीं की। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने संसद परिसर में कहा, लगता है कि प्रधानमंत्री के पास देश को देने के लिए कोई संदेश भी नहीं बचा है। वह अपनी सरकार के कामकाज से पूरी तरह निराश हैं, इसलिए सिर्फ कांग्रेस को गाली देते रहे।

हथकड़ी पहनकर विपक्षी नेताओं ने किया प्रदर्शन

NEW DELHI (BHASHA) : कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने अमेरिका से 100 से अधिक अवैध प्रवासी भारतीयों को वापस भेजे जाने और उनके साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किए जाने के खिलाफ बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और विरोध प्रदर्शन में शामिल कई अन्य विपक्षी सांसदों ने अपने हाथों में हथकड़ी पहन रखी थी। उन्होंने देश का अपमान नहीं सहेंगे और मोदी सरकार हाय-हाय के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थीं।

संसद के बाहर हथकड़ी लगाकर प्रदर्शन करते विपक्ष के नेता ● पीटीआई

मां काली की शरण में सीएम हेमंत सोरेन कोलकाता के कालीघाट मंदिर में की पूजा

स्टील प्लांट खुलने से लगभग 15 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

RANCHI (BHASHA) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 2 दिन से पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हैं। गुरुवार को वह अपनी पत्नी कल्पना सोरेन (विधायक, गांडेय) के साथ कोलकाता के प्रसिद्ध काली मंदिर पहुंचे। हेमंत सोरेन ने ह्वाइट एंड ब्लू स्ट्राइप वाली टी-शर्ट और पैंट पहन रखी थी। कल्पना मुर्मू सोरेन सफेद सलवार सूट में थीं। उन्होंने सिर पर सफेद रंग का दुपट्टा भी रखा था।

हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने काली मंदिर के गर्भगृह में एक साथ मां काली की पूजा-अर्चना की। कालीघाट के पंडा ने मंत्रोच्चार करवाया। दोनों ने मिलकर मां काली के चरण स्पर्श किए। उनके साथ झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी और अन्य वरीय पदाधिकारी भी थे। पंडा ने हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के कंधे पर चुनरी डाली। मंदिर से बाहर निकलने तक चुनरी दोनों के कंधे पर थी।

इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश और राज्य के विकास में कई लोगों की भागीदारी होती है। हमारे राज्य में कई लोग निवेश करते हैं। बंगाल और झारखंड में कई समानताएं हैं। यह पूछने पर कि क्या झारखंड में भी बंगाल की तरह निवेशक सम्मेलन करेंगे, उन्होंने कहा कि झारखंड में तो लोग ऐसे ही रुचि रखते हैं।

हेमंत सोरेन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के न्योते पर बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे थे। उन्होंने बुधवार को इस समिट में झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन किया था। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 में झारखंड को 26 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला है, जिससे 15 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ कोलकाता स्थित शक्तिपीठ कालीघाट में मां काली के दर्शन किए। दोनों ने गर्भगृह में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने झारखंड राज्य की उन्नति, सुख, समृद्धि एवं शांति के साथ-साथ राज्य के लोगों की खुशहाली की कामना भी की।

कोलकाता के कालीघाट में पत्नी कल्पना सोरेन के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

वायुसेना का मिराज लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

GWALIOR : गुरुवार को वायुसेना का एक मिराज-2000 लड़ाकू विमान सिस्टम में खराबी के कारण मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन उन्हें मामूली चोटें आईं और उन्हें हेलीकॉप्टर से ग्वालियर ले जाया जा रहा है। 'सेंट्रल एयर कमान' के प्रवक्ता ने बताया कि दोपहर करीब दो बजकर 40 मिनट पर बरहेटा सानी गांव के पास खेत में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद दो सीट वाले प्रशिक्षण विमान में आग लग गई। उन्होंने बताया कि विमान में खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई। वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट किया, आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान शिवपुरी (ग्वालियर) के पास भारतीय वायुसेना का मिराज 2000 विमान सिस्टम में खराबी आने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम से बढ़ेगी आर्मी की मारक क्षमता

अनुबंध की प्रति दिखाते डीआरडीओ व सेना के अधिकारी

AGENCY NEW DELHI : अब इंडियन आर्मी की मारक क्षमता और मजबूत हो जाएगी। गुरुवार को रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए ग पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए कुल 10,147 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पिनाका के लिए इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) और म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा शक्ति सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ सौदा किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 29 जनवरी को इस सौदे के लिए मंजूरी दी थी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पिनाका रॉकेट और लॉन्चरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने चार पिनाका रेजिमेंट को शामिल किया है, जिनमें से कुछ लॉन्चर चीन के साथ उत्तरी सीमाओं के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी तैनात किए गए हैं। सरकार ने देश की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर छह पिनाका रॉकेट रेजिमेंट बनाने का फैसला किया है। लंबी दूरी तक मार करने के लिए फ्री फ्लाइट आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम की मारक क्षमता 45 किलोमीटर है, जबकि हवाई हथियारों को 37.5 किमी. की दूरी तक लॉन्च किया जा सकता है।

रक्षा सचिव की मौजूदगी में फाइनल हुआ सौदा

रक्षा मंत्रालय शक्ति सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ सौदा किया गया है। इन तीनों अनुबंधों पर नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इसमें उच्च विस्फोटक और क्षेत्र निषेध हथियार शामिल हैं। हाल ही में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से मिली मंजूरी पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए मिली है। इस परियोजना को नागपुर की रॉकेट निमार्ता कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज और पूर्व आयुध निमार्णी बोर्ड की कंपनी म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के बीच विभाजित किया गया है। डीआरडीओ पहले से ही पिनाका रॉकेट के 120 किलोमीटर के मारक संस्करण को बनाने के उन्नत चरणों में है और अगले वित्तीय वर्ष में इसका पहला परीक्षण किए जाने की उम्मीद है।

45 किलोमीटर है रॉकेटों की मारक कैपेसिटी

सीसीएस से मंजूरी मिलने वाले रॉकेटों की मारक क्षमता लगभग 45 किलोमीटर है और ये पाकिस्तान तथा चीन सीमा पर बहुत प्रभावी हो सकते हैं। सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पिनाका के लंबी दूरी के संस्करण तैयार होने के बाद सेना अन्य वैकल्पिक हथियारों की योजना छोड़ सकती है। पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम पहले ही निर्यात क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल कर चुका है, क्योंकि इसे आर्मेनिया ने खरीद लिया है और फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं।

गंभीर चिंता बीजों के अंकुरण और संपूर्ण विकास पर संकट की स्थिति

कृषि क्षेत्र की राह का बड़ा रोड़ा बन रहा जलवायु परिवर्तन

PHOTON NEWS RESEARCH DESK : जलवायु परिवर्तन के कारण सभी जीवों की जीवन पद्धति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। वायुमंडल का नेचुरल तापमान अधिक होने की वजह से पौधों के अंकुरण और उनके संपूर्ण विकास की स्थिति बदल रही है, जो ईकोसिस्टम के लिए तो गंभीर चिंता की बात है ही, हमारे कृषि क्षेत्र और फसलों के उत्पादन को भी इसकी मार झेलनी पड़ रही है। हाल में हुए विशेष रिसर्च के दौरान इस तरह की जानकारी विस्तार से साझा की गई है। रिसर्च में यह बात उभरकर सामने आई है कि पृथ्वी का तापमान बढ़ने से बीजों के अंकुरण और पौधों की वृद्धि के समय में महत्वपूर्ण बदलाव देखे जा रहे हैं। शोधकताओं ने बताया है कि यह बदलाव पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। नॉर्थवेस्टर्न और येल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि तापमान में बढ़ोतरी के कारण बीजों के अंकुरण के समय में बदलाव आ रहा है, जिससे वनस्पति समुदायों की संरचना प्रभावित हो रही है। इससे कृषि क्षेत्र में उत्पादन पर प्रभाव पड़ रहा है।

शोधकताओं ने अपने विशेष अध्ययन में ऐसे हालात की दी है विस्तृत जानकारी

- नॉर्थवेस्टर्न और येल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार, बदल रही है पौधों की संरचना
- ईकोलॉजी जर्नल में प्रकाशित आर्टिकल में किया गया है व्यावहारिक विश्लेषण
- कुछ पौधों की प्रजातियों के बीज अपेक्षित समय के पहले ही हो जाते अंकुरित
- समय के पहले अंकुरण के कारण कुछ पौधे अपेक्षा से अधिक हो जाते हैं बड़े
- दूसरे छोटे पौधों को पानी और पोषक तत्व आवश्यकता के अनुरूप नहीं हो पाते उपलब्ध
- पौधों के असमान विकास के कारण उत्पादन पर पड़ता है नकारात्मक प्रभाव

अन्य जीवों पर भी दिखता है प्रभाव

अध्ययन में यह भी पाया गया है कि जो पौधे जल्दी अंकुरित होते हैं, वे आकार में बड़े हो सकते हैं और इस कारण वे अधिक सूरज की रोशनी, पोषक तत्व और पानी हासिल कर पाते हैं। इससे बाद में अंकुरित होने वाले पौधों के लिए संसाधनों की प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाती है। यह प्रतिस्पर्धा पौधों के साथ-साथ उन जीवों को भी प्रभावित करती है, जो इन पर निर्भर हैं। इस प्रकार पौधों की प्रजातियों में आने वाला बदलाव पारिस्थितिकी तंत्र की पूरी श्रृंखला को प्रभावित करता है। ऐसे में यह भी तय होता है कि कौन सी प्रजातियां पनपती हैं और कौन सी घट सकती हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन पर असर

यह अध्ययन ईकोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकताओं के मुताबिक, अंकुरण का समय केवल एक प्रजाति ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को प्रभावित करता है। बीज के अंकुरण का समय यह निर्धारित करता है कि वह सूरज की रोशनी, जल और पोषक तत्वों के लिए कितनी बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सकता है। कुछ पौधे बढ़ते तापमान के अनुरूप जल्दी अनुकूलित हो जाते हैं और मौसम से पहले ही अंकुरित हो जाते हैं। दूसरी और कुछ प्रजातियां अपने सामान्य चक्र का पालन करती हैं। इससे शुरुआती अंकुरित पौधों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है और वे अन्य प्रजातियों पर हावी हो सकते हैं। इससे वनस्पति समुदाय में बदलाव की संभावना बढ़ जाती है। पौधों के असमान विकास के कारण उत्पादन की स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ता है और अंततः उत्पादन घट जाता है।

समाचार सार

मऊभंडार के 55 श्रद्धालु प्रयागराज रवाना

GHATSILA : महाकुंभ में पवित्र संगम स्नान के लिए मऊभंडार से तीर्थ यात्रियों का दूसरा जत्था गुरुवार को प्रयागराज रवाना हुआ। मऊभंडार शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर 55 तीर्थ यात्री बस में सवार हुए। पुजारी उमेश पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मंगलमय यात्रा की कामना की। मऊभंडार ओपी प्रभारी पंकज कुमार ने बस को रवाना किया। इस अवसर पर पूर्वी मऊभंडार पंचायत के पंचायत समिति सदस्य विजय पांडेय, उप मुखिया रुपेश दूबे, संजीव सिंह तोमर, सुरेश सिंह चौहान, प्रदीप सिंह तोमर, किशन नमाता, विवेक पांडेय, मोहित उपाध्याय, अनुराग मिश्रा, जीत सिंह, गुणाधर आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने संगठन चुनाव के लिए बांटी जिम्मेदारी

JAMSHEDPUR : भाजपा में संगठनात्मक नियुक्ति के लिए जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों विधानसभा के विभिन्न मंडलों में चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की घोषणा की गई है। चारों विधानसभा के सभी मंडलों में चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। एक मंडल के लिए दो चुनाव पदाधिकारी होंगे, जिनमें एक मंडल चुनाव अधिकारी और दूसरा मंडल सह चुनाव अधिकारी बनाया गया है। गुरुवार को जमशेदपुर महानगर के जिला चुनाव पर्यवेक्षक सह पूर्व विधायक बिरंची नारायण व जिला चुनाव अधिकारी सह प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह की ओर से जारी पत्र में नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

जिला परिषद कार्यालय व मल्टीपर्पस भवन का उद्घाटन

SERAIKELA : सदर प्रखंड अंतर्गत दुधी गांव के समीप नवनिर्मित जिला परिषद कार्यालय व बहुदेशीय भवन का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। इस मौके पर जिला परिषद के अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, उपाध्यक्ष मधुश्री महतो तथा उपविकास आयुक्त आशीष अग्रवाल बतौर अतिथि उपस्थित थे। इसके बाद इन्होंने जिला परिषद के सदस्य, प्रखंड प्रमुख तथा वरीय पदाधिकारियों के साथ कार्यालय व बहुदेशीय भवन का अवलोकन किया। इस दौरान जिप अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी परियोजना के सफल संचालन के लिए मुख्य कार्यालय की भूमिका अहम होती है। इस कार्यालय और बहुउद्देशीय भवन के निर्माण से सरकारी योजनाओं का नए तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित कर विकास की गाथा लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग का विलय जिला परिषद में हो गया है, जिससे कर्मियों की संख्या भी बढ़ी है, सभी कर्मी तथा पदाधिकारियों की जवाबदेही तय कर विकास की गतिविधि को बढ़ाया जाएगा। उपविकास आयुक्त ने कहा कि किसी भी विभाग का अपना भवन मिलना गौरव का क्षण होता है। नया भवन मिलने से निश्चित रूप से कार्यों मे तेजी आएगी।

जैविक खाद निर्माण संयंत्र का हुआ उद्घाटन

GHATSILA : चाकुलिया के हवाई पट्टी क्षेत्र में प्योरसम संस्था द्वारा स्थापित जैविक खाद निर्माण संयंत्र का उद्घाटन गुरुवार को विधायक समीर कुमार मोहंती, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी और संस्था के सीओओ सह न्यूरो सर्जन डॉ. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। विधायक ने कहा कि पहले गोबर के खाद का प्रयोग कर खेती होती थी, आज के दौर में हमें फिर से जैविक खाद का प्रयोग करने की जरूरत है। जैविक खाद से क्षेत्र के किसानों को फायदा होगा। इससे क्षेत्र की कृषि उपज में बदलाव होगा।

हत्यारोपी दंपती सहित तीन को आजीवन कारावास

CHAIBASA : हत्यारोपी दंपती सहित तीन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 15-15 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2023 को रात 9 बजे अभियुक्त गोलौंग करुवा, जौरा करुवा व यमुना करुवा ने गांव की ही सुनिया कारवा को लोहे के रॉड और लाठी-डंडे से मार कर हत्या कर दी थी।

हिमंता बिस्वा सरमा का जवाब कोर्ट में दाखिल

JAMSHEDPUR : असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एआइएमआइएम नेता बाबर खान द्वारा दायर याचिका का जवाब दाखिल करते हुए आरोपों को सिरे से नकार दिया है। जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय में दाखिल 14 पन्नों के जवाब में कहा गया है कि जवाबकर्ता असम के मुख्यमंत्री हैं और जिम्मेवार नागरिक हैं। शिकायत वाद में आरोप मनगढ़ंत और केवल सस्ती लोकप्रियता एवं राजनीतिक लाभ के इरादे से याचिका दाखिल की गई।

रामगढ़-बोकारो एनएच पर डंपर ने बाइक सवार दो लोगों को कुचला

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क को घंटों रखा जाम, वाहन चालक हो गया फरार

AGENCY RAMGARH : रामगढ़-बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर एक डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। रजरप्पा थाना क्षेत्र के मुरुबंदा तालाब के पास डंपर का टायर बाइक सवारों को ऐसे कुचला की उनका सिर ही धड़ से अलग हो गया। गुरुवार को हुए इस हादसे में दोनों बाइक सवारों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद डंपर चालक गाड़ी छोड़कर ही फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग 23 को घंटों जाम रखा गया। मृतकों की पहचान गोला थाना क्षेत्र के डभातू गांव निवासी पवन कुमार दांगी और सिकंदर मुंडा के रूप में हुई है। दोनों युवक अपने हीरो होंडा बाइक से गोला से रामगढ़ आ रहे थे। इसी दौरान मुरुबंदा गांव के पास एक डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी, जिससे वह दोनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद डंपर चालक ने उनके सिर पर ही गाड़ी चढ़ा दी। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजनों ने सड़क जाम कर दिया। वे लोग मुआवजे की मांग करने लगे। बाद में रजरप्पा थाना प्रभारी और रामगढ़ थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से परिजनों से बात की और सड़क जाम को समाप्त कराया। पुलिस ने उस गाड़ी को जप्त कर लिया है, जिससे दुर्घटना हुई है। हालांकि अभी तक डंपर का चालक फरार है, जिसे पुलिस तलाश रही है।

सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

बर्थडे पार्टी से लौट रहा युवक हादसे में घायल, मौत

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना क्षेत्र के हुरलुंग के पास बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे चली गई। इससे बाइक सवार आकाश मुखर्जी (24 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान टीएमएच में गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। आकाश मुखर्जी टेल्को स्थित एन-टाइप क्वार्टर संख्या-32 का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि आकाश मुखर्जी अपने दोस्त अमनदीप सिंह के साथ बड़ाबांकी में बर्थडे पार्टी मनाने गया था और देर रात लौटते समय यह हादसा हुआ। दुर्घटना रात करीब 11.30 बजे हुरलुंग के पास हुई। परिजनों के अनुसार, जब देर रात तक आकाश घर नहीं लौटा और उसका फोन नहीं लगा, तो वे अमनदीप सिंह के घर पहुंचे। वहां से उन्हें पता चला कि आकाश का एक्सीडेंट हो गया है और उसे टीएमएच ले जाया गया है। अस्पताल में इलाज के दौरान आकाश ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच में जुट गई है। इस हादसे से परिजनों में मातम पसरा हुआ है। संदीप मुखर्जी ने बताया कि आकाश उनका इकलौता बेटा था। संदीप मुखर्जी टेल्को के लिटिल फ्लावर स्कूल में शिक्षक हैं। आकाश मुखर्जी रांची में सेंट जेवियर्स में स्नातक की पढ़ाई खत्म करके आगे की पढ़ाई के लिए पुणे जाने वाला था।

पीड़िता से शादी रचाने के बाद युवक यौन शोषण के आरोप से बरी

JAMSHEDPUR : अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (5) मंजू कुमारी के न्यायालय ने बागबेड़ा के श्रवण कुमार पटेल को यौन शोषण के आरोप से बरी कर दिया। श्रवण कुमार ने पीड़िता के साथ शादी रचा ली और उसे गुजरात के सूरत में लेकर रहने लगा। आरोपी ने पीड़िता के साथ अच्छा व्यवहार किया। इसके चलते अदालत ने उसे बरी किया है। आरोपी को बरी कराने में उसके अधिवक्ता कुलविंदर सिंह की बड़ी भूमिका रही है। पीड़िता के अनुसार, श्रवण कुमार पटेल ने साल 2015 से साल 2020 तक उसका यौन शोषण किया था। पीड़िता का आरोप था कि श्रवण ने उसे गर्भधारण कराने के बाद बिना उसकी इच्छा के गर्भपात करा दिया और शादी के लिए बोलने पर उसे मारपीट करता था। बाद में उसने छोड़ दिया। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत थाने में की थी। इसके बाद इस प्रकरण में केस चल रहा था।

बचाव पक्ष व पीड़िता के अधिवक्ताओं की कोशिश से हुआ विवाह : मामले में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब बचाव पक्ष के अधिवक्ता कुलविंदर सिंह और पीड़िता के वकील अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू और बबीता कुमारी के प्रयासों के बाद दोनों विवाह के लिए राजी हुए। इसके बाद, श्रवण और पीड़िता ने विवाह किया। विवाह के बाद पीड़िता ने कहा कि वह अपने पति के साथ खुश है और पिछले दो वर्षों से गुजरात के सूरत में अपने पति के साथ रह रही है।

गोविंदपुर में दूसरे दिन भी नहीं शुरू हुई जलापूर्ति

फिल्टर प्लांट के पास जुटे गोविंदपुर के निवासी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की लापरवाही से गोविंदपुर में दूसरे दिन गुरुवार को भी जलापूर्ति ठप रही। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते रहे। इलाके के लोगों का कहना है कि जैसे ही गर्मी की शुरूआत हुई है वैसे ही यहां पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। उनका कहना है कि गर्मी के चलते लोग परेशान हो रहे हैं। लोग पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार को गुरुवार सुबह से ही फोन कर रहे हैं। मगर, कार्यपालक अभियंता फोन नहीं उठा रहे हैं। इससे इलाके के लोगों का गुस्सा चरम पर है। लोगों का कहना है कि एक तो विभाग की लापरवाही से गर्मी में जलापूर्ति प्रभावित कर दी गई है। दूसरी तरफ, अधिकारी फोन उठा कर यह भी नहीं बता रहे कि जलापूर्ति कब से शुरू होगी। लोगों का कहना है कि जलापूर्ति ठप होने के बाद पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के लोगों को गोविंदपुर जलापूर्ति योजना के प्लांट पर पहुंचना चाहिए था। मगर, कोई भी अधिकारी नहीं आया। गोविंदपुर जलापूर्ति योजना शुरू कराने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया।

लाखों का बेरिल पत्थर जब्त, दो हुए गिरफ्तार

KODERMA : गिरिडीह डीएफओ मनीष तिवारी ने जिले के गांवा थाना इलाके के चरही गांव में अमृत राय के घर छापेमारी कर भारी मात्रा में बेरिल पत्थर का स्टोक जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जब्त पत्थरों की बाजार कीमत करीब दस लाख है। बताया गया कि बेरिल स्टोन का इस्तेमाल सोने और चांदी के जेवरात -अंतरिक्ष में परमाणु रियेक्टरों में होता है। डीएफओ ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर बुधवार की रात कार्रवाई की गई। इस दौरान डीएफओ के निर्देश पर सरजू सिंह और जॉली पांडे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बताते चलें कि जिले के तिसरी और गांवा इलाके में एक प्रमार के रत्नों मे शुमार बेरिल पत्थर की खदान है और बड़े पैमाने पर इसका अवैध कारोबार भी होता रहा है।

कंप्यूटर सिखाने के नाम पर ठगी का आरोप, थाना पहुंचे विद्यार्थी

नौ माह के कोर्स के लिए लिए गए 10,800 रुपये, कराई जा रही मार्केटिंग

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय के समीप कंप्यूटर सेंटर का संचालन होता है। इसकी शाखा चाईबासा के बड़ी बाजार और जमशेदपुर के करनडीह चौक में भी है। इस पर सैकड़ों विद्यार्थियों ने कंप्यूटर सिखाने के नाम पर ठगी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत थाना में भी की है। गुरुवार को चक्रधरपुर थाना पहुंच विद्यार्थियों ने कंप्यूटर सेंटर के खिलाफ लिखित शिकायत की है। शिकायत मिलने पर थाना प्रभारी राजीव रंजन दोनों पक्ष से पूछताछ कर रहे हैं। इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने कहा कि हमने कंप्यूटर सीखने के लिए सेंटर में एडमिशन लिया, लेकिन हमें मार्केटिंग करना सिखाया जाता है। इतना ही नहीं, इन्हें नए विद्यार्थी खोज कर लाने और उसका एडमिशन कराने का भी दबाव दिया जा रहा है। जब कोर्स पूरा हो जाता है, तो एक एग्जाम लेकर हमें सर्टिफिकेट दिया जाता है, लेकिन हमें कुछ भी सीखने को नहीं मिल रहा है। यह हमारे साथ धोखा है। धोखा देने वाले कंप्यूटर सेंटर पर पुलिस प्रशासन कड़ाई से कार्रवाई करें और हमारे द्वारा दिए गए पैसे वापस लौटाए। इधर, कंप्यूटर सेंटर के संचालक करन महतो ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रताड़ना का आरोप पूरी तरह झूठा है। कुछ विद्यार्थी राजनीति करने लगे हैं और अन्य विद्यार्थियों को बहला-फुसलाकर कर इस तरह का आरोप लगवाते रहते हैं।

चक्रधरपुर थाना पहुंचे विद्यार्थी ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर में प्रशासन ने चलाया बुलडोजर, तोड़ी अवैध दुकानें

अतिक्रमण के कारण वर्षों से बंद थी चाइना गली व बाटा रोड की सड़क

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर शहर के बाजार क्षेत्र में गुरुवार को प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया, जिसमें सड़क किनारे लगने वाली दुकानों को तोड़ा गया। इस दौरान दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया। उनका कहना था कि बिना नोटिस दिए इस तरह की कार्रवाई न्यायसंगत नहीं है। अभियान की शुरूआत गुदड़ी बाजार स्थित चाइना गली से हुई, जिसे स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसकी शिकायत महीने भर पहले उपायुक्त से भी की गई थी। बुलडोजर ने चाईना गली में बनी चारदीवारी को ध्वस्त किया। वहां जमे कचरों को भी उठाया। बता दें कि चाइना गली सरकारी रास्ता है। यह रास्ता गुदड़ी बाजार से बाटा रोड को जोड़ता है, लेकिन अतिक्रमण के कारण वर्षों से बंद है। फिलहाल गली को पक्कीकरण करते हुए अतिक्रमण कर लिया गया था।

दुकानों को तोड़ता बुलडोजर ● फोटोन न्यूज

पोस्टऑफिस रोड में भी दुकानदारों ने किया हंगामा

पोस्टऑफिस रोड में अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया। उन्हें सामान हटाने का भी समय नहीं मिला। उनका कहना था कि हमें नगर परिषद से कोई नोटिस नहीं दी गई थी। न अतिक्रमण हटाने के लिए घोषणा हुई थी। हंगामा बढ़ने लगा तो प्रशासन बुलडोजर को एनएच-75 रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग पर ले गया। एनएच के किनारे लगी दुकानों को हटाया गया। कुछ दुकानों के सामान को नगर परिषद ने जब्त भी कर लिया।

नवोदय विद्यालय परिसर में छात्र का शव बरामद

GIRIDIH : जिले के गाण्डेय क्षेत्र में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के परिसर में गुरुवार को पुलिस ने 11 वीं कक्षा के एक छात्र का शव संदेहास्पद स्थिति में पेड़ से झूलता हुआ बरामद किया। स्कूल परिसर में छात्र का शव मिलने के बाद कई प्रकार की चर्चा है। मृतक छात्र की पहचान राम कुमार यादव के रूप में की गई है जो जिले के धनवार थाना इलाके के भरोना गांव का रहने वाला है। सुबह लोगों को खबर मिली कि 11वीं के एक छात्र रामकुमार यादव का शव पेड़ से झूल रहा है जिसके बाद आसपास के लोग स्कूल परिसर पहुंचे, इस खबर की जानकारी स्कूल के प्रिंसिपल ने गांडेय थाना प्रभारी आनंद सिंह को दी। इसके बाद मौके पर गांडेय थाना पुलिस पहुंची। हालांकि अबतक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि मृतक छात्र ने फंदे से लटकर खुदकुशी की है या उसकी हत्या की गई है। इस पूरे मामले में हर बिन्दु पर पुलिस जांच- पड़ताल कर रही है। गांडेय थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। उन्होंने बताया कि मृतक छात्र राजकुमार यादव के शरीर पर किसी तरह की कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकता है। परिजनों के आवेदन दिए जाने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई जाएगी।

अफीम के विरुद्ध लोगों को किया गया जागरूक

बंदगांव में जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाएं ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित बंदगांव प्रखंड में अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी ने मानकी, मुंडा और ग्रामीणों के साथ बैठक कर अफीम के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान अवैध अफीम की खेती के नुकसान के बारे में जानकारी दी गई।बताया गया कि अफीम की खेती से उपजाऊ जमीन भी बंजर हो जाती है, जल प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है, प्रजतन क्षमता में कमी आती है, बच्चे दिव्यांग या मानसिक रूप से अस्वस्थ जन्म लेते हैं। आयु कम हो जाती है, गर्भवती महिलाओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है, आपसी विवाद बढ़ते हैं और सड़क दुर्घटना में वृद्धि होती है। इस लिए अफीम की खेती न करें।

दो एकड़ में लगी अफीम की फसल की गई नष्ट : पश्चिमी सिंहभूम जिले के घोर नक्सल प्रभावित छोटा नागरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में मनोहरपुर अंचल अंतर्गत वन ग्राम थोलकोबाद के

आईआईएम, जमशेदपुर ने कराया संक्षारण व कोटिंग्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जंग लगने से नष्ट हो रही विद्युत संयंत्रों की संरचना : एनटीपीसी निदेशक

PHOTON NEWS JSR : आईआईएम (भारतीय धातु संस्थान), जमशेदपुर चैप्टर ने 6-7 फरवरी को संक्षारण व कोटिंग्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। टाटा स्टील लिमिटेड, सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर और एनआईटी, जमशेदपुर के सहयोग से गोलमुरी स्थित होटल विवांता में एनटीपीसी, नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक, एके मनोहर ने संक्षारण या धातुओं में जंग लगने की समस्या पर विचारपूर्ण भाषण दिया तथा बताया कि किस प्रकार संक्षारण विद्युत संयंत्रों की संपूर्ण संरचना को नष्ट कर रही है, जिसके लिए इस देश के वैज्ञानिकों से सुरक्षात्मक कोटिंग्स समाधान की आवश्यकता है। हम विभिन्न केंद्रित संघों के माध्यम से वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शिक्षाविदों के साथ मिलकर भी काम करते हैं। सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने बताया कि संक्षारण एक मूक दुश्मन है और इसके कारण हम हर साल सकल घरेलू उत्पाद का 2-3% से अधिक खो देते हैं। यह समय सभी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों को संक्षारण से निपटने के लिए एक टीम के रूप में काम करने का है। स्टील हमारे देश को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्टील संरचना को संक्षारण या कोरोजन से बचाने के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। इससे पूर्व सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, विशिष्ट अतिथि, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) के कार्यकारी निदेशक एके मनोहर, आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर के अध्यक्ष और धातुकर्म एवं सामग्री इंजीनियरिंग के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार, आई3सी- 2025 के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर सिंह, आई3सी-2025 के संयोजक डॉ. तपन राउत, सुधांशु पाठक (पूर्व वीपी, स्टील मैन्यूफैक्चरिंग, टाटा स्टील), डॉ. रामानुज नारायण (निदेशक, सीएसआईआर-आईएमएमटी), प्रवीण थम्पी (मुख्य सीआरएम टीएसके, सीआरएम), अतुल श्रीवास्तव (वीपी, वुलस्पन समूह), डॉ. एएन भगत व डॉ. एस तरफदार ने संयुक्त रूप से किया।

आई3सी-2025 के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर सिंह ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सम्मेलन के दो दिवसीय तकनीकी कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में चार पूर्ण व्याख्यान और 15 मुख्य व्याख्यान तथा 40 सहायक व्याख्यान भी शामिल हैं। इसके अलावा 15 से अधिक पोस्टर व तकनीकी स्टॉल भी हैं, जिन्हें सभी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों को दिखाया गया।

आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने आईआईएम के बारे में जानकारी दी और पूरे साल की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आईआईएम जमशेदपुर किस तरह समय की मांग के अनुरूप इस तरह के प्रतिष्ठित सम्मेलन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। टाटा स्टील लिमिटेड के सरफेस इंजीनियरिंग रिसर्च ग्रुप, आरएंडडी के प्रधान वैज्ञानिक औरआई3सी-2025 के संयोजक डॉ. तपन कुमार राउत ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों और वक्ताओं, प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। डॉ राउत ने टाटा स्टील, एनएमएल और एनआईटी के सभी गणमान्यों को धन्यवाद दिया। संयोजक डॉ. राउत ने इस बात पर जोर दिया कि यह सम्मेलन अन्य जगहों पर आयोजित होने वाले सम्मेलनों से अलग है, जहां दो दिनों तक विचारों और नई तकनीकों पर चर्चा की जाएगी।

यह सम्मेलन तेल एवं गैस, रसायन, परमाणु एवं ताप विद्युत संयंत्रों, निर्माण और गतिशीलता उद्योगों में कोटिंग्स और उच्च तापमान संक्षारण में प्रगति संक्षारण निगरानी, लेखा परीक्षा, विफलता विश्लेषण और रोकथाम के साथ-साथ मॉडलिंग एवं भविष्यवाणी पर केंद्रित है। यह सभी शोधकताओं, इंजीनियरों, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए संक्षारण और कोटिंग के बारे में चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा करने हेतु एक अनूठा मंच है।

सम्मेलन के दौरान स्मारिका का विमोचन करते अतिथि ● फोटोन न्यूज

इनकी रही सहभागिता

सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों और विदेशों (हाइब्रिड मोड) से 34 प्रतिष्ठित संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों और वक्ताओं ने भाग लिया। उनमें से कुछ आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी कानपुर, आईएससी, बैंगलोर, आईआईसीटी, हैदराबाद, जिंदल स्टील एंड पावर, आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, आईजेडए-नीदरलैंड, कॉमसोल-स्विट्जरलैंड, मैटेरियल्स डिजाइन, यूएसए से हैं। वहीं, प्रायोजकों में टाटा स्टील, इलेक्ट्रोथर्म, ग्रोवेल, निप्पॉन पार्कराइजिंग, क्वेकर, हेन्केल, कॉमसोल, जीटीजेड, शिमादजु, फ्लोचर, ग्रीमोवोक, बायोमाटीक्यू, प्रोक्वेस्ट, श्रोंडिगर, वाटर्स, पारट, मोनोपोल, टाटा ब्लूस्कोप, आईआरटेक, एक्सपोसोम, लैबगार्ड, यूनिवर्सल पेंट्स के अलावा प्रमुख प्रायोजक के रूप में इस सम्मेलन का हिस्सा बने।

सरकारी स्कूल से सामान चोरी के मामले में 9 गिरफ्तार

KODERMA : कोडरमा पुलिस ने सरकारी स्कूल से चोरी मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिले के तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के चरकी पहरी और कांको स्थित सरकारी स्कूल से अज्ञात चोरों के द्वारा स्कूल का कंप्यूटर, पंखा, गैस सिलेंडर, बर्तन आदि सामानों की चोरी करने की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 5 फरवरी को चंदवारा थाना क्षेत्र के महुआदोहर से कांड में शामिल पांच अभियुक्त को चोरी के सामानों के साथ गिरफ्तार किया गया और उनकी निशानदेही पर सामान खरीदने वाले चार अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त में अंकित कुमार शर्मा के पास से 12 कंप्यूटर सिस्टम, अनिल कुमार वर्णवाल के पास से 6 गैस सिलेंडर, देवनारायण कुमार के पास से फिंगर प्रिंट मशीन और अजीत कुमार पंडित के पास से बैटरी बरामद किया गया है।

BRIEF NEWS

पिता की पुण्यतिथि पर किया खिचड़ी का वितरण

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर महिला मोर्चा की अध्यक्ष पायल सोनी ने गुरुवार को अपने पिताजी की पुण्यतिथि पर रिम्स परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के बीच खिचड़ी का वितरण किया। पायल सोनी ने बताया कि यह उनकी परंपरा है। हर साल अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए रिम्स में खाना वितरित करती हैं। मौके पर मनीष चौधरी, प्रीति सिन्हा, सुनीता सोनी, पार्वती देवी और गायत्री देवी मौजूद थी।

हेमंत से एसएम ग्रुप के चेयरमैन ने की मुलाकात

RANCHI : झारखंड में एसएम ग्रुप ऑफ कंपनी बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। इस सिलसिले में कंपनी के चेयरमैन मनीष खेमका और सहयोगी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से कोलकाता में आयोजित दो दिवसीय बंगाल ग्लोबल समिट में गुरुवार को मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान खेमका ने मुख्यमंत्री से राज्य में बिजनेस की संभावनाओं और निवेश की आकांक्षाओं के साथ एसएम ग्रुप कंपनी की तीन नई परियोजना जानकारी साझा की, जिसके अन्तर्गत 14 हजार करोड़ का निवेश कर रही है। इस निवेश से राज्य में 10 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे। झारखंड में परियोजनाओं में नीमडीह सरायकेला खरसावां में 1.2 एमटीपीए एकीकृत क्षमता वाले इस्पात संयंत्र की स्थापना होगी।

इस बार भी नेशनल खेलने नहीं जाएगी स्क्वैश टीम

RANCHI : नेशनल लेवल पर परफार्मेंस रैंकिंग का हवाला देते हुए झारखंड की टीम को उत्तराखंड में खेले जाने वाले स्क्वैश चैंपियनशिप में नहीं भेजा गया था। कुछ ऐसा ही मणिपुर, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ के साथ भी हुआ था। लेकिन, कुछ दिनों के बाद इन चार राज्यों से खिलाड़ियों को नेशनल के लिए चुन लिया गया है। लेकिन, झारखंड से खिलाड़ियों को कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। अब खिलाड़ियों को समझ नहीं आ रहा है कि जब वे स्टेट को रिप्रेजेंट ही नहीं करेंगे तो नेशनल के लिए खेलने कैसे जाएंगे। इससे पहले भी सेलेक्शन ट्रायल के बाद खिलाड़ियों को नहीं भेजने को लेकर एसोसिएशन ने एक पत्र जारी किया था। वहीं केवल एक खिलाड़ी को झारखंड से इंडिविजुअल नेशनल लेवल पर परफार्मेंस रैंकिंग का हवाला देते हुए चैंपियनशिप में खेलने के लिए बुलाया गया था। खिलाड़ियों ने तब भी कहा था कि झारखंड की टीम नेशनल लेवल पर अब आगे नहीं खेल पाएगी। इससे वे लोग आने वाले टूर्नामेंट में भी पार्टिसिपेट नहीं कर सकेंगे। चूंकि उनके पास नेशनल में खेलने का अनुभव भी नहीं होगा।

मौसम में अभी जारी रहेगा उतार-चढ़ाव

RANCHI : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम में उतार चढाव होगा। आनेवालों दिनों में अभी हल्की ठंड रहेगी। अगले दो-तीन दिनों में तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस गिरावट होगी। इसके बाद तापमान में दो से तीन डिग्री की बढोतरी होगी। यह जानकारी मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को दी। रांची और इसके आसपास के इलाकों में आंशिक बादल छाया रहा। इसके बाद धीरे-धीरे मौसम साफ हो गया। दोपहर में लोगों को हल्कों गर्मी का भी एहसास हुआ ।गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री अधिक है।

प्राइवेट संचालकों से मांगी गई थी जानकारी, नहीं किया गया आदेश का पालन

रिम्स से प्राइवेट एंबुलेंस वालों को जल्द दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में व्यवस्था सुधारने को लेकर प्रबंधन सख्त हो गया है। कैंपस में लगाने वाले प्राइवेट एंबुलेंस वालों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इसके लिए प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही सैंकड़ों प्राइवेट एंबुलेंस वालों पर कार्रवाई भी की जाएगी। बता दें कि पिछले दिनों अस्पताल प्रबंधन ने प्राइवेट एंबुलेंस संचालकों को नोटिस जारी कर 72 घंटे में पूरी डिटेल जमा करने का आदेश दिया था। लेकिन, एक हफ्ते का समय बीत जाने के बाद भी किसी भी प्राइवेट एंबुलेंस वाले ने प्रबंधन को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। हॉस्पिटल कैंपस में सैंकड़ों प्राइवेट एंबुलेंस का जमावड़ा हर दिन लगा रहता है। सुबह से लेकर रात तक यह एंबुलेंस वाले मरीजों को लाने ले जाने का काम करते हैं। इनकी मनमानी से मरीज भी परेशान है। वहीं हॉस्पिटल कैंपस को पार्किंग बना दिए जाने से ये लोग प्रबंधन के लिए सर दर्द बने हुए हैं। इन प्राइवेट एंबुलेंस में कई एंबुलेंस ऐसे हैं, जो रिम्स में काम करने वाले कर्मियों और उनके परिजनों के नाम पर हैं।

अस्पताल प्रबंधन ने दिखाई सख्ती, कार्रवाई का निर्देश

हॉस्पिटल कर्मियों के भी चल रहे हैं कई प्राइवेट एंबुलेंस

- मरीजों और परिजनों से वसूलते हैं मनमाना किराया
- पूरे हॉस्पिटल कैंपस को बना दिया है पार्किंग स्थल

खुद को बताते हैं सांसद या विधायक के प्रतिनिधि

इस मामले में रिम्स के पीआरओ डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि नोटिस जारी करने के बाद किसी भी प्राइवेट एंबुलेंस की जानकारी हमें नहीं मिली है। अब प्रबंधन इसकी मैपिंग कर रहा है। जल्द ही इनपर कार्रवाई की जाएगी। वहीं कैंपस के बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। 10 प्रतिनिधियों ने हमें जानकारी दी है। अब कोई व्यक्ति खुद को सांसद या विधायक का प्रतिनिधि बताता है और उसके पास कोई वैध कागजात नहीं होगा तो उसपर कार्रवाई की जाएगी। प्रबंधन ने पिछले हफ्ते नोटिस जारी किया था। जिसमें हॉस्पिटल कैंपस में कुछ दिनों में हुई घटनाओं और विभिन्न श्रोतों से मरीजों से पैसे उगाही संबधी प्राप्त सूचना के बाद प्रबंधन सख्ती के मोड में आ गया है। हॉस्पिटल परिसर में आने और यहां से कारोबार करने वाले प्राइवेट एंबुलेंस वालों को पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया था। जिसके तहत एंबुलेंस का पूर्ण विवरण निबंधन संख्या साक्ष्य सहित, एम्बुलेंस का मॉडल नाम, मालिक का नाम, चालक का नाम, लाइसेंस और मोबाइल नंबर अपर चिकित्सा अधीक्षक रिम्स रांची के कार्यालय में जमा करने को 72 घंटे का समय दिया गया था।

सिर्फ 10 प्रतिनिधियों ने दी जानकारी

अस्पताल परिसर में मंत्री और विधायक के प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे हैं। ऐसे में मात्र 6 लोगों ने प्रबंधन को अपना प्राधिकार पत्र और अन्य जानकारी उपलब्ध कराई है। ये प्रतिनिधि रिम्स में इलाज के लिए आनेवाले मरीजों की मदद करते हैं। रिम्स सैंकड़ों ऐसे लोग घूमते रहते हैं और खुद को विधायक व सांसद का प्रतिनिधि बताते हैं। वहीं कई लोग मदद के नाम पर मरीजों और उनके परिजनों को भी ठगने में भी पीछे नहीं रहते। बता दें कि प्रबंधन ऐसे प्रतिनिधियों की पूरी सूचना व प्राधिकार पत्र भी अपर चिकित्सा अधीक्षक रिम्स के पास जमा करने को कहा था। लेकिन, 72 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी मात्र 10 लोगों ने ही जानकारी दी है। अब बिना प्राधिकार पत्र के अस्पताल परिसर में पाए जाने पर ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्यवाई की जाएगी।

खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां शिक्षा का अभिन्न अंग : संतोष कुमार गंगवार

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को राज्यपाल-सह-कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। ये विद्यार्थियों में अनुशासन, आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का कार्य करती हैं। वह रांची विश्वविद्यालय के प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। मैं इस पहल के लिए संपूर्ण रांची विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं। गवर्नर ने कहा कि झारखंड अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक विविधता और खेल प्रतिभाओं के लिए प्रसिद्ध है। यह राज्य न केवल अपनी समृद्ध जनजातीय परंपराओं और लोक कलाओं के लिए जाना जाता है, बल्कि खेलों में भी इसकी विशेष पहचान है। यहां की धरती ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को जन्म दिया है, जिन्होंने देश का मान बढ़ाया है।

- रांची विश्वविद्यालय के प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक दीक्षांत समारोह को गवर्नर ने किया संबोधित
- कहा- ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम
- झारखंड अपनी अनुपम सांस्कृतिक विविधता और खेल प्रतिभाओं के लिए प्रसिद्ध

बयान वापस लेने की उठी आवाज, विरोध की चेतावनी

डीजीपी के खिलाफ बाबूलाल के बयान पर भड़का वैश्य समाज

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता पर दिए गए बयान को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के खिलाफ आक्रोश जताया है। मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने उन्हें चुनौती दी है कि वे अपने बयान को वापस लें और डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ दिए गए बयान के लिए माफी मांगें। मरांडी वैश्य समाज के खिलाफ हैं और हमें उनके बयान का विरोध करना पड़ेगा। वैश्य मोर्चा ने मरांडी को चुनौती दी कि वे विधायक पद से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ें और जीतकर दिखाएं। अगर मरांडी अपने बयान को वापस नहीं लेते हैं, तो हम सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। बाबूलाल मरांडी अपने समाज के नेता तो रहे नहीं, पिछले दो चुनाव लोकसभा एवं विधानसभा में यह साबित हो चुका है। वे अन्य वर्ग को भी ऊल-जलूल बयान देकर नाराज कर रहे हैं, ताकि चर्चा में बने रहें। अभी वे जिस सीट राज-धनवार से जीत कर आए हैं।

- शीशे के घर में रहने वाले दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं मारते : महेश्वर साहू
- पूर्व सीएम मरांडी ने गुप्ता की नियुक्ति को बताया है गलत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीखे भाजपा : सुप्रियो

RANCHI : झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि भाजपा को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपने लोगों की सुरक्षा के बारे में सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मुख्यामंत्री हेमंत सोरेन देश के कई इलाकों में फंसे लोगों को विशेष विमान भेजकर सकुशल लाया। उन्होंने कहा कि पांच फरवरी को अमृतसर हवाई अडडे पर अमेरिका की ओर 103 भारतीयों को बेडियों में जकड़ कर लाया गया जो हम सभी के लिए खेदजनक स्थिति है। भट्टाचार्य गुरुवार को झामुमो के कायार्लय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे । मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार के हार्ले डेविडसन इंजन पर सीमा शुल्क घटाने की नीतियों की भी आलोचना की। सुप्रियो ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के कार्यकाल में जहां एक डॉलर चार रुपए 87 पैसे का था वह अब बढ़कर 87 रुपए 75 पैसे का हो गया है।

जमीन विवाद में नियोजित तरीके से की गई चाचा-भतीजा की हत्या

नगड़ी में हुए डबल मर्डर केस का खुलासा : एके 47 से मारी गई थी गोली, दबोचे गए दो अपराधी

CRIME REPORTER RANCHI : जिले के नगड़ी इलाके में मंगलवार की रात हुए दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस को सफलता मिली है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने दो अपराधियों को बुधवार की देर रात गिरफ्तार किया है। इनमें मनोहर टोपनो और सुनील कच्छप शामिल हैं। इनके पास से हत्या की घटना में प्रयुक्त एके 47 राइफल बरामद किया गया। गुरुवार को रांची एसएसपी ने प्रेस कांफ्रेंस कर हत्याकांड का खुलासा किया। घटना को अंजाम एक महीने की छुट्टी पर आए सेना के जवान मनोरंजन टोपनो ने अंजाम दिया था। मनोरंजन भारतीय सेना में है और उसकी तैनाती जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में है। वह अपने यूनिट से चोरी से एके 47 राइफल लेकर आया था। उसी राइफल से उसने दोनों की हत्या कर दी।

मृतक बुधराम मुंडा के भाई मनोरंजन मुंडा ने ही कर दिया मर्डर

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा व अन्य।

जमीन बेचने में अड़चन डाल रहे थे बुधराम मुंडा

मृतक बुधराम मुंडा के भाई मनोरंजन जो सेना के जवान हैं, उससे जमीन बेचने के एवज में रुपये लिए थे, लेकिन मृतक बुधराम मुंडा जमीन बेचने में अड़चन डाल रहे थे। विवाद कई महीनों से चल रहा था। इसी बीच एक साजिश के तहत मनोरंजन बुधराम मुंडा को रास्ते से हटाने के लिए प्लान बनाया और बीते मंगलवार की रात मौका देखकर जवान और उसके साथियों ने बुधराम मुंडा को गोली मार दी। साथ में बुधराम के रिश्ते में लगने वाले भतीजे मनोज कच्छप ने गोली मारते जवान और उसके साथियों को पहचान लिया, इसलिए अपराधियों ने उसे भी गोली मारकर भाग निकला।

12 फरवरी तक मिलेगी एंट्री, उद्यान में खिले हैं 30 वेराइटी के 30 हजार से ज्यादा गुलाब

आम जनता के लिए खुला राजभवन का उद्यान

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार से राजभवन आम नागरिकों के लिए खोला गया, जहां पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और इसकी भव्यता का आनंद लिया। बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने राजभवन के आकर्षक गुलाब, झूले, फव्वारे, झरने और औषधीय पौधों के बीच सेल्फी और तस्वीरें खिंचवाई। उद्यान में 12 फरवरी तक लोगों को एंट्री मिलेगी। इस दौरान राजभवन उद्यान प्रभारी रबुल अंसारी ने बताया कि हर साल हमारे उद्यान की खासियत गुलाब के फुल होते हैं, लेकिन इस बार जैसी बहार गुलाबों में है, वैसी पहले कभी नहीं देखी गई। करीब 30 वेराइटी के 30 हजार से ज्यादा गुलाब इस बार खिले हैं। जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने बताया कि राजभवन में कई पेड़ ऐसे हैं जो 200 साल पुराने हैं। उन्होंने बताया कि अशोक सुखवा एवं सेमल का पेड़ 200 साल पुराने हैं। इसके साथ ही लकड़ी का पुल और उसके नीचे कमल, विशाल फव्वारा, बच्चों के लिए कई प्रकार के झूले के साथ पेड़ों पर ट्राइबल पेंटिंग इस बार खास है।

- पहले ही दिन बड़ी संख्या में पहुंचे लोग, आकर्षक नजारों का उठाया आनंद
- गेट नंबर 2 से करना है प्रवेश, सुरक्षा के लिए 100 जवानों की तैनाती

सदर अस्पताल के सभागार में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के जिलों की हुई समीक्षा

स्वास्थ्य के प्रति लोगों को करें जागरूक : शाही

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को सदर अस्पताल रांची के समभागर में दक्षिणी छोटनागपुर प्रमंडलीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें रांची, सिमडेगा और लोहरदगा जिलों के सभी सिविल सर्जन, एमओआईसी, आरसी वीएसआरसी, डीपीएम, डीएएम, डीपीसी, बीपीएम, बीडीएम, बीएएम और एसटीटी सहित प्रमुख अधिकारी शामिल हुए। डायरेक्टर इन चीफ डॉ. सीके शाही ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है। उन्होंने एनिमिया और खाद्य संकट जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। वहीं डॉ लाल माझी ने इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान सभी से ससमय आईईसी गतिविधियों के संचालन के दिशा-निर्देश दिए। डॉ. पुष्पा ने मैटरनल हेल्थ पर जोर देते हुए कहा कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी केसेज की एचएमआईएस पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित करें। वहीं अकॉय मिंज ने सहियाओं के कार्यों की सराहना की और सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य डेटा के सही समय पर अपलोडिंग के लिए प्रेरित किया।

जिला निबंधन कार्यालय में जीरो एरर फाइलिंग को लेकर किया गया कार्यशाला का आयोजन

एसएफटी फाइलिंग संबंधी समस्याओं व सावधानियों की दी गई जानकारी

जानकारी देते रांची के अवर निबंधक वैभव मणि त्रिपाठी।

अपनी बात रखते आयकर उप निदेशक शशि भूषण शर्मा।

कार्यशाला में शामिल लोग।

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को आयकर विभाग ने जिला निबंधन कार्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन (एसएफटी) फाइलिंग में आने वाली त्रुटियों के निराकरण पर चर्चा की गई। यह कार्यशाला विभाग के आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा थी। इसमें आयकर विभाग के अधिकारियों ने अधिवक्ताओं, दस्तावेज नवीसों और कार्यालय कर्मियों को एसएफटी रिटर्न दाखिल करने से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के मुख्य अतिथि आयकर उप निदेशक शशि भूषण शर्मा थे। इस दौरान आयकर निरीक्षक पंकज कुमार ने एसएफटी फाइलिंग से जुड़ी सामान्य समस्याओं और सावधानियों पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से गलत रिटर्न या रिटर्न में देरी से कई तरह के फाइन लग सकते हैं। इसके अलावा अंकित रानी ने रिटर्न फाइल करने में होने वाली देरी और उसके परिणामस्वरूप लगाए जाने वाले दंडों पर प्रकाश डाला।

कर चोरी रोकने के लिए रहें सचेत

आयकर उप निदेशक शशि भूषण शर्मा ने कहा कि सही रिटर्न दाखिल करने से राष्ट्र को कई फायदे होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार करों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करती है। इसलिए कर चोरी को रोकने के लिए सभी को सजग और सचेत रहना होगा। जिला अवर निबंधक रांची वैभव मणि त्रिपाठी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आधार और पैन के लिंक होने से एसएफटी दाखिल करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। विभाग को उम्मीद है कि जल्द ही जीरो एरर एसएफटी फाइलिंग का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन आयकर अधिकारी अजीत ने किया। मौके पर आयकर कार्यालय रांची के अरविंद प्रसाद, रवि कुमार और जिला निबंधन कार्यालय के बासित हफीज, पूनम तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सर्ववेदी पूजन से होगी महोत्सव की शुरुआत

कल से शुरू होगा श्री चैती दुर्गा मंदिर का वार्षिकोत्सव, तैयारी में जुटी समिति

PHOTON NEWS RANCHI : श्री चैती दुर्गा मंदिर भुताहा तालाब का नौवां वार्षिकोत्सव 8 फरवरी से शुरू होगा। इस दौरान कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव की शुरूआत कलश यात्रा और गौरी पूजन के बाद सर्व वेदी पूजन से होगी। मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस उत्सव के दूसरे दिन 9 फरवरी को सुबह माता का महा स्नान किया जाएगा। पवित्र नदियों के जल से स्नान कराकर पूजा अर्चना शुरू की जाएगी। इसके बाद सर्व वेदी पूजन, दुर्गा सप्तशती पाठ, आरती और पुष्पांजलि का आयोजन होगा। महोत्सव के तीसरे दिन, 10 फरवरी को दोपहर हवन के बाद पुष्पांजलि दी जाएगी। 1 बजे महा भंडारा और फिर शाम में महाआरती की जाएगी। इस आयोजन में काफी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है। जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह) ने बताया कि महोत्सव पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने माता भवानी के भक्तों से अपील की है कि जो लोग कलश यात्रा में भाग लेना चाहते हैं, वे श्री चैती दुर्गा मंदिर आकर मंदिर के पुजारी से संपर्क कर सकते

9 फरवरी को सुबह माता का कराया जाएगा महा स्नान

पीरपैंती में बनेगा 2400 मेगावाट का नया थर्मल पावर प्लांट

2030 तक बिजली उत्पादन शुरू होने की उम्मीद

भागलपुर। जिले के पीरपैंती में एक बड़ा थर्मल पावर प्लांट बनने जा रहा है। इस परियोजना को राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। यह प्लांट 2400 मेगावाट की क्षमता वाला होगा, जो बिहार में बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करेगा। यह भागलपुर जिले का दूसरा थर्मल पावर प्लांट होगा। इससे पहले, जिले के कहलगांव में एनटीपीसी का 2300 मेगावाट का एक थर्मल पावर प्लांट पहले से मौजूद है। हालांकि, पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट के निर्माण और संचालन में अभी समय लगेगा। मौजूदा योजना के अनुसार, 2030 तक इस प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू हो सकता है। परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए राज्य सरकार

और संबंधित एजेंसियां सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।1- 2006: पहली बार पीरपैंती में थर्मल पावर प्लांट लगाने की योजना बनाई गई थी। 2- 2014: राज्य मंत्रिमंडल ने इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी। 3- 2008: सरकार ने इस प्रोजेक्ट को थर्मल से बदलकर सौर ऊर्जा आधारित बनाने की योजना बनाई, लेकिन उपयुक्त भूभाग न मिलने के कारण यह संभव नहीं हो सका। 4- 2023: सरकार ने फिर से पीरपैंती में थर्मल पावर प्लांट लगाने का निर्णय लिया। 5- 2024: इस परियोजना को केंद्रीय बजट में 21,400 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली। परियोजना की वर्तमान स्थिति: इस परियोजना के लिए जरूरी जमीन का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। कुल 1020.60 एकड़ जमीन को विभिन्न गांवों हरिणकौल, श्रीमतपुर, रायपुरा, सुंदरपुर, और टुंडवा-मुडवा से लिया गया है। महत्वपूर्ण प्रगति 1- पर्यावरणीय स्वीकृति झ इस समय पर्यावरणीय मंजूरी लेने की प्रक्रिया जारी है, ताकि परियोजना को कानूनी बाधाओं से बचाया जा सके। 2- कोयला आपूर्ति की व्यवस्था : इस प्लांट को झारखंड के राजमहल कोल ब्लॉक से कोयला मिलेगा। यहां से 2029 तक कोयले की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इस पावर 3- प्लांट को सालाना करीब 12 मीट्रिक टन कोयले की जरूरत होगी। 4- निर्माण एजेंसी का चयन झ अभी तक पावर प्लांट के निर्माण के लिए किसी एजेंसी का चयन नहीं किया गया है। जल्द ही इस संबंध में टेंडर निकाला जाएगा। 5- सरकारी निरीक्षण: बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) इस प्रोजेक्ट पर नजर रख रही है। हाल ही में कंपनी के एमडी ने इलाके का निरीक्षण किया था। पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट के बनने से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इस पावर प्लांट से न केवल बिजली उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि इससे क्षेत्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। हालांकि, कुछ लोगों को पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर चिंता है। कोयला आधारित पावर प्लांट से प्रदूषण बढ़ सकता है, जिससे आसपास के इलाकों में हवा और पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सभी नियमों का

संक्षिप्त डायरी

29.82 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक बजट होटल, सासाराम में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सासाराम । पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार सरकार 29.82 करोड़ रुपये की लागत से एक नया छह-मंजिला बजट होटल बनाने जा रही है। शेरशाह सूरी होटल को हटाकर इस अत्याधुनिक होटल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 27 सामान्य कमरे, 9 डीलक्स कमरे, 3 सुइट, बैंक्वेट हॉल, रेस्तरां, कॉफी शॉप, पार्किंग, सीसीटीवी, फायर फाइटिंग सिस्टम, एयर कंडीशनिंग जैसी कई सुविधाएं होंगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि सासाराम का ऐतिहासिक महत्व है और यहां रोहतासगढ़ किला, मां ताराचंडी मंदिर, मंझार कुंड, कशिश झरना, तुतला भवानी मंदिर जैसे कई दर्शनीय स्थल हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। नया होटल पर्यटकों के लिए एक किफायती लेकिन उच्च स्तरीय सुविधा प्रदान करेगा। होटल निर्माण की जिम्मेदारी बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम को दी गई है। सरकार की योजना है कि यह होटल निजी होटलों की तुलना में किफायती हो लेकिन उसमें आधुनिक सुविधाओं की कोई कमी न हो। इससे पर्यटन और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

बंद घर में लाखों की हुई चोरी, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी, जानें कैसे हुआ हादसा

गया। कोंच थाना क्षेत्र के परसावां पंचायत के जैतीया गांव में एक बंद मकान से लाखों रुपये के गहने और अन्य सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात की है, जब चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसकर चोरी की। गांव के निवासी राजेश कुमार, जो पेशे से शिक्षक हैं, अपने परिवार के साथ घर से बाहर थे। इस दौरान उनके घर में ताला लगा हुआ था। मंगलवार-बुधवार की रात चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और घर में रखे कीमती गहने, नकदी, कपड़े और अन्य सामान लेकर फरार हो गए। अनुमान के मुताबिक, चोरी गए सामानों की कुल कीमत दस लाख रुपये से अधिक है।बुधवार की सुबह जब ग्रामीणों ने घर का ताला टूटा हुआ देखा, तो उन्हें शक हुआ। तुरंत ही उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद कोंच थाना के एसआई राम कुमार मुर्मू मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। जब घर के सदस्य गांव लौटे, तो उन्होंने चोरी की पूरी जानकारी पुलिस को दी और कोंच थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद गुरुवार को पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली। ग्रामीणों के अनुसार, घटना वाली रात गांव में सरस्वती पूजा का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान डीजे की तेज आवाज के कारण किसी को भी चोरी की भनक नहीं लगी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरों का पता लगाने की कोशिश में जुटी है।

मूर्ति विसर्जन के बाद 10 से ज्यादा राउंड फायरिंग

समस्तीपुर । करीब 20 दबंगों ने गांव में 10 से अधिक राउंड फायरिंग की। एक निमार्णाधीन मुर्गी फार्म में आग भी लगा दी। फायरिंग के दौरान गांव के लोगों से मारपीट भी की। 3 लोग घायल हुए हैं। एक का पैर तोड़ा और दूसरे का सिर फोड़ा। घायलों में अजय कुमार महतो सहित अन्य 2 लोग हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने 10 खोखे बरामद किए हैं। घायलों का पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा कि बुधवार को मां सरस्वती की मूर्ति विसर्जन में मारपीट हुई थी। असमाजिक तत्वों ने छेड़खानी की थी। रात के ही विवाद को लेकर आज गुरुवार दोपहर दबंगों ने करीब आधे घंटे तक फायरिंग की। गोलीबारी करने वाले सभी लोग अभी फरार हैं। घटना हसनपुर थाना क्षेत्र के भटवन की खोरी गांव की है। गांव की एक युवती ने कहा कि कल मूर्ति विसर्जन के लिए हमलोग जा रहे थे, इसी दौरान नदी घाट के पास कुछ लोगों ने छेड़खानी की थी। सभी लड़के भटवन पंचायत के ही बेलौन और भटवन के रहने वाले हैं। रात में भी इन लोगों ने मारपीट की थी। आज 20 बदमाशों ने गांव में पहले फायरिंग करना शुरू किया।

ऑपरेशन के 9 दिन बाद परीक्षा देने पहुंचा छात्र

बांका । एक इंटरमीडिएट छात्र ने अपने हौसले और दृढ़ इच्छाशक्ति से सबको प्रेरित किया। आकाश कुमार, जो 27 जनवरी को एक गंभीर ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहा था, ने महज 9 दिनों बाद परीक्षा में शामिल होकर अपनी मेहनत और संकल्प का परिचय दिया। आकाश के पिता राजकुमार ने बताया कि ऑपरेशन के बाद परिवार ने उसे परीक्षा स्थगित करने की सलाह दी थी। लेकिन आकाश ने यह कहकर मना कर दिया कि एक साल की पढ़ाई और मेहनत को वह बर्बाद नहीं होने देगा। परीक्षा देने के लिए पिता ने उसे अपने कंधे का सहारा देकर आरएमके परीक्षा केंद्र पहुंचाया। आकाश की स्थिति को देखते हुए परीक्षा केंद्र प्रशासन ने उसके लिए विशेष व्यवस्था की। परीक्षा के दौरान शरीर में लगे

कैथेटर और अन्य मेडिकल उपकरणों के बावजूद आकाश ने तीन घंटे तक परीक्षा दी। उसने बताया, ₹शुरूआत में डर था कि इतनी शारीरिक परेशानी के बीच परीक्षा कैसे दूंगा, लेकिन परिवार के समर्थन और अपने संकल्प ने मुझे कमजोर नहीं पड़ने दिया। परीक्षा केंद्र में मौजूद लोगों ने आकाश के साहस की सराहना की और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस घटना ने युवा पीढ़ी के लिए यह संदेश दिया कि जीवन में चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, यदि लक्ष्य के प्रति समर्पण और आत्मविश्वास हो, तो उन्हें पार किया जा सकता है।

खेलते-खेलते शौचालय की टंकी में गिरी मासूम

डूबने से हुई दर्दनाक मौत, परिजन बेसुध

नवादा। जिले के रजौली थाना क्षेत्र स्थित सती स्थान मोहल्ले में एक दुखद घटना सामने आई है। गुरुवार को एक तीन वर्षीय बच्ची, मीठी, निमार्णाधीन शौचालय की पानी से भरी टंकी में गिर गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब मीठी खेलते-खेलते घर के पास बन रहे शौचालय की टंकी में गिर गई। शौचालय की टंकी पर उपर की प्लेट नहीं डाली गई थी, जिससे बच्ची टंकी में गिर गई। घरवालों को जब उसकी तलाश शुरू की तो बच्ची शौचालय की टंकी में डूबी मिली। बच्ची के परिवारवाले उसे तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक, अमरेश कुमार गुप्ता ने

बताया कि बच्ची को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। बच्ची की मौत के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। बच्ची के पिता, कुंदन पंडित, ने बताया कि उनकी छोटी बेटी मीठी की मौत पानी की टंकी में गिरने के कारण हो गई। घरवालों का कहना है कि शौचालय की टंकी में पानी भरने के बाद भी ऊपर प्लेट नहीं डाली गई, जिससे यह हादसा हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने और प्राथमिकी दर्ज करने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पानी में डूबने के कारण हुई मौत के मामले में परिजनों को आपदा राहत के तहत मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, प्रभारी थानाध्यक्ष और एसआई अजय कुमार ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल के साथ वे पीड़ित परिवार से मिले। हालांकि, परिजनों ने बच्ची का पोस्टमार्टम कराने की सहमति नहीं दी। इस घटना के बाद परिवार में गहरी दुख और शोक का माहौल है। बच्ची की मौत ने सभी को गमगीन कर दिया है।

लखीसराय में 450 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास

सीएम बोले- ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

लखीसराय । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान जिले के विकास को नई दिशा देने वाली योजनाओं की झड़ी लगाई गई। मुख्यमंत्री ने करीब 450 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, जल संरक्षण, और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री ने बालगुदर गांव में एक ऐतिहासिक म्यूजियम का लोकार्पण किया, जिससे जिले की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उन्होंने शिवगंगा तालाब के पुनरुद्धार और शिलान्यास का कार्य किया, जो न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी गति देगा। इस यात्रा में 49 करोड़ रुपये की लागत

से किऊल नदी पर पुल बनाने की योजना का शिलान्यास किया गया। यह पुल क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा सुनिश्चित करेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत बने तालाब और खेल मैदान का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान जीविका दीदियों से मुलाकात की और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने समाहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष में जिला अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में पूरी की जाएं और सुनिश्चित किया जाए कि उनका लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। लखीसराय के विधायक और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने इस प्रगति यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से जिले के विकास को नई दिशा मिलेगी और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस प्रगति यात्रा ने जिले के विकास में एक नई ऊर्जा का संचार किया है।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं और परियोजनाओं से लखीसराय के लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं, जो आने वाले समय में क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई पर ले जा सकती हैं।

ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत

दरभंगा । ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई है। इसके महिला के बच्चे का हाथ टूट गया और ससुर घायल हो गए। महिला अपने ससुर के साथ बच्चे को लेकर डॉक्टर के पास ले जा रही थी। तीनों बाइक से अपने गांव पलवा से बिरौल जा रहे थे। इसी दौरान बिरौल के कोठी-पघारी मुख्य सड़क पर ईंट लदे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने तीनों को बिरौल सीएचसी में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका वड़गांव थाना क्षेत्र के मानसरा पलवा गांव निवासी राजेश यादव की 25 वर्षीय पत्नी बबीता देवी है। स्थानीय मनोज यादव ने कहा कि महिला अपने डेढ़ साल के बच्चे को इलाज के लिए सुपौल बाजार लेकर जा रही थी। इसी दौरान बिरौल में अनियंत्रित ट्रैक्टर ने ठोकर मार दी। इसमें महिला सहित उसका ससुर और डेढ़ साल का बच्चा जख्मी हो गया। महिला की मौत हो चुकी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बिरौल पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल किया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डीएमसीएच भेजा जा रहा है। ईंट लदे ट्रेक्टर को जब्त कर लिया गया है। चालक फरार है।

बिहार की जनता मोदी-नीतीश की जोड़ी से खुश: अनिल सिंह

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन किशनगंज और अररिया जिलों में हुआ, जहां एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सम्मेलन में कार्यकताओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। एनडीए के नेताओं ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि बिहार के विकास और सुशासन का चुनाव है। उन्होंने कार्यकताओं से पूरे जोश और ऊर्जा के साथ घर-घर जाकर जनता को एनडीए सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में 225 से अधिक सीटें जीतने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य सिर्फ सत्ता में आना नहीं, बल्कि जनसेवा करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने सम्मेलन में कहा कि बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव केवल एक राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि विकास और सुशासन का संकल्प है। उन्होंने कहा कि एनडीए के कार्यकर्ता पूरी मेहनत और लगन के साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। डॉ. जायसवाल ने कहा, कि ₹हम सबकी मेहनत से एनडीए की जीत निश्चित है। कार्यकताओं को चाहिए कि वे घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दें और जनता को मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर विश्वास करती है। इसी वजह से लोकसभा चुनावों और हाल के उपचुनावों में एनडीए को भारी सफलता मिली है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे विपक्ष के झूठे प्रचार का जवाब जनता के बीच जाकर दें। डॉ. दिलीप जायसवाल ने जोश भरते हुए कहा, ₹हम न केवल चुनाव जीतेंगे, बल्कि बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आमसभा नहीं, बल्कि संघर्षशील कार्यकताओं का जुटान है, जो एनडीए के विचारों के साथ बूथ स्तर पर मजबूती से चुनाव लड़ते हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह सम्मेलन में भारी भीड़ उमड़ी है, उससे साफ है कि बिहार की जनता ने आगामी चुनाव में एनडीए के पक्ष में फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए कार्यकताओं की एकता से गठबंधन लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि विपक्षी दलों का गठबंधन कमजोर पड़ता जा रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला

बोलते हुए कहा, इन दलों को बिहार के विकास की कोई चिंता नहीं है। ये केवल अपने परिवार की राजनीति कर रहे हैं।₹ उन्होंने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के कुछ नेता अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब समझदार हो गई है और वह विकास के पक्ष में मतदान करेगी। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने राजद और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि ₹राजद के नेता झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने में लगे हैं, लेकिन जनता उनके झूठ को समझ चुकी है।₹ उन्होंने कहा कि राजद के नेता चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं, लेकिन वे खुद जानते हैं कि उनकी सरकार बनने वाली नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाएं और उन्हें विपक्ष के झूठे वादों से सावधान करें। राजू तिवारी ने कहा कि यह चुनाव बिहार के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अभी से चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं और बूथ स्तर तक एनडीए की जीत सुनिश्चित करें। हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी से बिहार की जनता खुश है। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में बिहार को कई बड़ी सौगातें दी गई हैं, जिससे साफ है कि एनडीए की सरकार बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग एनडीए सरकार की विकास योजनाओं का समर्थन कर रहे हैं। हाल में हुए उपचुनावों में जनता ने एनडीए को जो समर्थन दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि बिहार की जनता एक बार फिर एनडीए सरकार चाहती है। रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता अब राजद की सच्चाई जान चुकी है और उन्हें कभी भी दोबारा मौका नहीं देगी। उन्होंने कहा, ₹राजद की पहचान केवल भ्रष्टाचार और अपराध से जुड़ी रही है। जब भी इनकी सरकार बनी, बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ा। लेकिन एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की राह पर आगे बढ़ाया है।₹ उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनेगी। एनडीए के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकताओं से 225 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार हमेशा जनता की सेवा के लिए काम करती है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में कानून व्यवस्था मजबूत की है, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे का विकास किया है और गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। जनता इन उपलब्धियों से खुश है और आगामी चुनाव में एनडीए को फिर से सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। सम्मेलन के अंत में एनडीए के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकताओं को चुनाव जीतने के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर मेहनत करनी होगी, मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करना होगा और सरकार की योजनाओं की जानकारी देनी होगी। कार्यकताओं ने भी पूरे जोश के साथ संकल्प लिया कि वे आगामी चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करेंगे। सम्मेलन में उपस्थित हजारों कार्यकताओं ने एक स्वर में ₹फिर एक बार, एनडीए सरकार₹ का नारा लगाया और आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का विश्वास जताया।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

मोहन के जापान दौरे से मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई दिशा

हर्षवर्धन पाण्डे

मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के 15,000 से अधिक निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र होगा। इस बार की समिट में जापान कंट्री पार्टनर होगा जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा ने न केवल जापान की औद्योगिक प्रगति और विकास को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया बल्कि वहाँ के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, तकनीकी विकास को भी करीब से देखा। जापान सरकार और प्रवासी भारतीयों द्वारा डॉ. यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जापान में उनकी यात्रा का उद्देश्य एमपी और जापान के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना रहा। जब वह टोक्यो पहुंचे तो उनका वहाँ स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। टोक्यो में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभावनाओं के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान टीम के साथ भेंट करने के साथ ही टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औद्योगिक और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक की जिसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप : फोकस मध्यप्रदेश रोड-शो में भी सहभागिता की ।

जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्याधुनिक तकनीकी अविष्कारों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें खासा प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे यह तकनीकी दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो-कू में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की। डॉ. मोहन यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी को मध्यप्रदेश में हाइड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनी एएनडीडी मेडिकल के निदेशक डाइकी अराई ने मध्य प्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने की मंशा जाहिर की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। उज्जैन में बन रहे मेडिकल डिवाइस और मुख्य रूप से मेडिकल सेक्टर के लिए भी जापान के उद्योगपतियों से निवेश की बात कही है। सीएम डॉ. यादव के प्रयासों से मध्य प्रदेश में मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनने जा रहा है जिसके लिए जापान से निवेशकों के बड़े प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने सिस्मेक्स की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया और मध्यप्रदेश में सिस्मेक्स को आमंत्रित किया।

एएंडडी मेडिकल ने मध्यप्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने में विशेष रूचि दिखाते हुए इसे वर्ष के अंत तक इसे शुरू करने की बात कही है। जापान की एएंडडी मेडिकल कम्पनी वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरण और स्वास्थ्य निगरानी उत्पादों का उत्पादन करती है। डॉ. मोहन यादव ने कोबे और ओसाका में स्थित हेल्थ केयर और डॉयग्नोस्टिक कम्पनी साइसमेक्स प्रमुख औद्योगिक कम्पनियों के उद्योगपतियों के साथ बैठक की और हेल्थ केयर, ऊर्जा और मैन्युफेक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने जापानी कार निमार्ता कंपनी ह्यटोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात कर उनसे मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।पैनासोनिक एनर्जी कपंनी लिमिटेड, डॉयग्नोस्टिक कंपनी साइसमेक्स सहित कई औद्योगिक कंपनियों ने बैटरी निर्माण और प्रदेश में ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में गहरी रूचि दिखाई और एमपी में भरपूर निवेश का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने जापान दौरे में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो नींव तैयार की है उसका फायदा भारत की आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा।जापान की यात्रा डॉ.मोहन यादव के लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जापान में डॉ. यादव की सादगी लोगों के दिल में उतर गई। डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो शेयर किया जो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोग भावुक हो रहे हैं। इस वीडियो में उनके सहज, सरल और आकर्षक व्यक्तित्व की विलक्षण छाप देखने को मिल रही है। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे हैं। इम्पीरियल होटल से चेक-आउट करते समय होटल के सदस्यों ने बड़ी देर तक खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं और तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मुख्य द्वारा पर खड़े रहे, जब तक सीएम डॉ. यादव कार में नहीं बैठे।

मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के 15,000 से अधिक निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र होगा। इस बार की समिट में जापान कंट्री पार्टनर होगा जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी। जापानी निवेशकों के अलावा अन्य देशों के भी निवेशक इस समिट में भाग लेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। इस आयोजन से नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और राज्य की औद्योगिक छवि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद है। कहा जा सकता है कि डॉ.मोहन यादव का जापान दौरा एमपी में जापानी कंपनियों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। उन्होंने अपनी चार दिन की जापान यात्रा में न केवल जापान के प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की और निवेश और व्यापार के नए अवसरों को तराशा बल्कि जापानी समाज और संस्कृति को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उन्होंने वहाँ की तकनीकी प्रगति, कला, संस्कृति और व्यापारिक दृष्टिकोण को अपनी यात्रा के अनुभवों में समाहित किया। यह यात्रा मध्यप्रदेश और जापान के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में भी सहायक साबित हुई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

निर्वासन की समस्या

अंततः महिला, पुरुष और बच्चों सहित एक सौ चार अवैध भारतीय अप्रवासियों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान भारत पहुंच गया। अमेरिका में उचित दस्तावेज के बिना रहने वाले इन भारतीयों में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों के लोग हैं। वैसे तो अमेरिका अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करता रहता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का भारत के लिए यह पहला निर्वासन है। इस संबंध में भारत और अमेरिका के बीच बात भी हो चुकी थी और ऐसा निर्वासन ट्रंप की चुनावी घोषणाओं में भी शामिल था। जहां कुछ अन्य देशों ने इस तरह के निर्वासन पर अपनी आपत्ति जताई वहां भारत ने इसे सहज स्वीकार किया है। कोई भी संप्रभु राष्ट्र ऐसे अप्रवासियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता जो अवैध तरीके से पहुंच कर न केवल उनके आर्थिक संसाधनों पर बोझ बनते हैं, बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी संकट खड़ा करते हैं। अमेरिका सहित यूरोप के बहुत से देश इस तरह के अप्रवासन का संकट महसूस कर रहे हैं। स्वयं भारत भी अवैध घुसपैठियों की समस्या का सामना कर रहा है। यहां के राजनीतिक हलकों में हर दिन इसकी गूंज सुनाई देती है। इस समय भारत सरकार की नीति भी अवैध अप्रवासियों को रोकने की है जो पड़ोसी देशों से आकर बस गए हैं। भले ही इस पर कुछ समूह मानवाधिकार या नैतिकता का प्रश्न खड़ा करें लेकिन भारत के पास स्वयं अपनी स्थिति को देखते हुए इस निर्वासन को अमेरिकी शतरे के साथ स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। वैसे भारत की जिम्मेदारी यह भी बनती है कि वह दोहरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करे। पहली यह कि उसके यहां अवैध अप्रवासन न हो और दूसरी यह कि यहां से अवैध ढंग से पलायन न हो। भारत एक और गंभीर समस्या से जूझ रहा है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी अमेरिका, यूरोप के देशों में जाकर बसते हैं, जो या तो भारत विरोधी हैं, या आपराधिक गतिविधियों में संलग्न हैं। ऐसे लोग भारत में प्रताड़ित होने का स्वांग रचते हैं, और सहानुभूति के नाम पर वहां की नागरिकता प्राप्त कर लेते हैं। अमेरिका और कनाडा से ऐसी घटनाएं उजागर हुई हैं जिन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को खतरे में डाला है। इसलिए भारत सरकार को प्रयास करना चाहिए कि अवैध तरीके से लोगों को विदेश भेजने वाले गिरोहों पर लगाम लगाए।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करते अवैध बांग्लादेशी

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट का नाम 'दिल्ली में अवैध अप्रवासी, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण' है। 114 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे बांग्लादेशी घुसपैठियों का देश और विशेष कर राजधानी दिल्ली पर प्रभाव पड़ रहा है। रिपोर्ट में टाटा इंस्टीट्यूट फॉर सोशल साइंस का भी योगदान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए 'फैमिली फर्स्ट' नीति अपनाते हैं। पहले परिवार का एक आदमी दिल्ली के भीतर आकर बस जाता है, पैसा कमाता है और रहने की जगह ढूँढता है। इसके बाद वह एक-एक कर पर परिजनों को भी बांग्लादेश से लाना शुरू कर देता है।

रिपोर्ट के अनुसार यह घुसपैठिए पहले कुछ दिन सीमाई राज्यों में रुकते हैं और फिर दिल्ली की तरफ बढ़ते हैं। बीते कुछ दिनों में अवैध महिलाओं की संख्या भी बढ़ी है। दिल्ली आने वाले 43 प्रतिशत से अधिक घुसपैठिए पश्चिम बंगाल में रुकते हैं। रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि वो घुसपैठिए, जो दिल्ली में 10 साल से ज्यादा से रह रहे हैं, उनका नए घुसपैठियों को भारत लाने और यहाँ बसाने में अहम रोल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में इन घुसपैठियों को मदद करने में इनके खुद के कुछ समूह और मजहबी समूहों का बड़ा हाथ है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में बसने के बाद क्षेत्रीय या धार्मिक पहचानों के इर्द-गिर्द बनाए गए समूह इन्हें मदद करते हैं। इनमे कुछ राजनीतिक लोग भी शामिल रहते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में घुसपैठियों को सहायता देने और छत, भोजन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी सहायता और यहाँ तक कि बैंकिंग तक पहुँच जैसी सेवाएँ देने बिना रजिस्टर किए गए एनजीओ और मजहबी समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी रूप से इनका दायरा साफ नहीं है। ये लोग अवैध प्रवासियों को रोजगार पाने और स्थानीय समुदायों में मिलने-घुलने में मदद करते हैं. कभी-कभी यह सरकारी नियम भी दरकिनार करते हैं। एनजीओ द्वारा दी जाने वाली सहायता के अलावा, स्थानीय कई राजनीतिक हस्तियों की भी इसमें महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। यह अक्सर राजनीतिक वफादारी के बदले में अवैध प्रवासियों को सहायता देते हैं। ये राजनीतिक हस्तियाँ इन्हें घर ढूँढने के लिए फर्जी कागज तक दे सकती हैं। चुनावों के दौरान इन घुसपैठियों की कमजोर स्थिति का फायदा उठाया जा सकता है।

रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि यह घुसपैठिए स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। इनमें से अधिकांश अकुशल क्षेत्रों में लगे हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह घुसपैठिए दिल्ली में कम पैसों पर भी काम करने को राजी हैं। यह दिल्ली के भीतर निर्माण, घरेलू काम, सफाई और रेहड़ी जैसे कामों में जुड़े हैं। इससे दिल्ली के भीतर बेरोजगारी भी बढ़ रही है। यह लोग अपराध और गैर कानूनी धंधों में भी जुड़े हैं। यह दिल्ली की ब्लैक इकॉनमी को बढ़ावा दे रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि यह घुसपैठिए सिर्फ भारत में कमा कर अपना ही काम नहीं चला रहे बल्कि पैसा बांग्लादेश भी भेज रहे हैं। भारत में रहने वाले 80 प्रतिशत बांग्लादेशी घुसपैठिए यहाँ से कमाया हुआ पैसा वापस अपने घर भेजते हैं।

लगभग 50 प्रतिशत बांग्लादेशियों ने भारत में खाते भी खुलवा लिए हैं। 20 प्रतिशत बांग्लादेशी घुसपैठिए जमीन भी खरीद चुके हैं जो चिंता की बात है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में इस काम से अर्थव्यवस्था पर फर्क पड़ रहा है। यह भी सामने आया है कि दिल्ली में रहने वाले 96.3 प्रतिशत घुसपैठिए मुस्लिम हैं। इनके चलते दिल्ली के उन इलाकों की जनसांख्यिकी भी बदल गई है जहाँ यह आकर बसे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेशी घुसपैठिए सीलमपुर, जामिया नगर, जाकिर नगर, सुल्तानपुरी, मुस्तफाबाद, जाफराबाद, द्वारका, गोविंदपुरी आदि जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में बस जाते हैं। इनके चलते यहाँ रहने वाले निवासियों को मिलने वाली सुविधाओं पर दबाव पड़ता है।

दिल्ली में लगातार आ रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के चलते यहाँ की जनसांख्यिकी बिगड़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 1951 में दिल्ली की जनसंख्या में हिन्दू 84 प्रतिशत थे जो 2011 तक घट कर 81 प्रतिशत हो गए है लेकिन इसी बीच मुस्लिम आबादी 5.7 प्रतिशत से बढ़ कर 12.8 प्रतिशत के आसपास पहुँच गई है। इसका अर्थ है कि बाकी कारणों के सहित अवैध घुसपैठियों से दिल्ली में मुस्लिम दोगुने हो गए है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में रहने वाले 75 प्रतिशत अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए स्वास्थ्य सुविधाओं का भी लाभ उठा रहे हैं, इसके चलते स्थानीय लोगों को इलाज नहीं मिलता या उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रिपोर्ट इनके अपराध और जाली कागजों में जुड़े होने को लेकर भी चिंता जताती है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'दिल्ली में घुसपैठियों से निपटने में एक महत्वपूर्ण चुनौती फर्जी पहचान दस्तावेजों का उपयोग है। यह अक्सर नकली आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड बनवाते हैं जिससे उन्हें शहर की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था में शामिल होने का मौका मिलता है। यह कई मौकों पर पहचान चुराते भी हैं। रिपोर्ट कहती है कि इनसे देश के लोकतंत्र पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इनके पास नकली दस्तावेजों की उपलब्धता भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के बारे में चिंताएँ बढ़ती हैं। अगर गैर नागरिक छोटे तौर पर भी चुनाव में हिस्सा लेते हैं तो यह संभावना एक बड़ा मुद्दा है, इसके चलते अवैध प्रवासियों के विरुद्ध कड़ी जाँच की भी बात उठती है।

गौरतलब है कि बीते कुछ समय से सरकार और सुरक्षा एजेंसियाँ बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने को लेकर तेजी से काम कर रही हैं। जनवरी महीने में ही देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों रोहिंग्या और बांग्लादेशी गिरफ्तार किए गए हैं लेकिन जिस प्रकार की चिंता रिर्पोट में जाहिर की गई है उसके अनुसार यदि समय पर इन घुसपैठियों के खिलाफ उचित एवं आवश्यक कदम नहीं उठाये गये तो स्थिति भयावह हो सकता है।

-रामस्वरूप रावतसरे

मुद्दा : रिश्तों में बढ़ती दरार चिंताजनक

सोनम लववंशी

तेलंगाना में पूर्व सैनिक गुरुमूर्ति द्वारा अपनी पत्नी माधवी की हत्या और उसके शव के साथ की गई बर्बरता ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना न केवल एक जघन्य अपराध की कहानी है, बल्कि समाज में व्याप्त हिंसा की प्रवृत्ति, रिश्तों में बढ़ती असंवेदनशीलता और मानसिक विकृति का भी प्रमाण है।

इस वारदात ने श्रद्धा वालकर की हत्या की यादें ताजा कर दी हैं, जहां उसके कथित प्रेमी ने उसे मार कर शव के टुकड़े कर दिए थे। ऐसी घटनाएं समाज के भीतर गहरी पैठ बना चुकी क्रूरता और रिश्तों में बढ़ती दरारों को उजागर करती हैं। गुरु मूर्ति ने अपनी पत्नी को मारने के बाद उसके शव को टुकड़ों में काट कर कुकर में उबालने और फिर झील में फेंकने जैसा अमानवीय कृत्य किया। यह किसी साधारण अपराध की श्रेणी में नहीं आता। यह घटना हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता और मानसिक अस्थिरता को दशार्ती है। रिश्तों में असहमति होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह असहमति हिंसा का रूप ले लेती है, तो यह समाज के लिए गंभीर चेतावनी बन जाती है। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर, ऐसा क्या हो गया है कि रिश्ते अब हिंसा और हत्या की ओर बढ़ रहे हैं।

पति-पत्नी के बीच संबंधों को निजी मामला माना जाता है, लेकिन क्या इन संबंधों में मानवता और संवेदनशीलता पूरी तरह खत्म हो चुकी है? गुरुमूर्ति और माधवी के बीच झगड़े पहले भी होते रहे होंगे, लेकिन इन झगड़ों ने हिंसा का ऐसा स्वरूप ले लिया जो किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। जहां यह दंपति रहता था, वहां के पड़ोसियों को भी इस बात की भनक तक नहीं लगी। यह समाज में बढ़ती एकाकी प्रवृत्ति और पड़ोसियों के बीच संवादहीनता को उजागर करता है। क्या हम इतने आत्मकेंद्रित हो चुके हैं कि हमारे आसपास क्या हो रहा है, इसकी हमें कोई परवाह नहीं? यह घटना केवल एक अपराध नहीं है, बल्कि समाज के लिए दर्पण भी है, जिसमें हमारी सामूहिक संवेदनहीनता साफ झलकती है।

रिश्तों में विश्वास की कमी और संवादहीनता ऐसी घटनाओं की मुख्य वजह बन रही हैं। घरेलू हिंसा के मामले दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए केवल कड़े कानून पर्याप्त नहीं हैं। इन घटनाओं के पीछे छिपे मानसिक और सामाजिक कारणों को समझना और उनका समाधान खोजना भी जरूरी है। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने रिश्तों को सही तरीके से संभाल पा रहे हैं। अगर किसी रिश्ते में समस्या है, तो उसका समाधान संवाद और परामर्श के माध्यम से निकाला जा सकता है। लेकिन जब समस्याओं को नजरअंदाज किया जाता है, तो वे हिंसा का रूप ले लेती हैं। हमें समझने की जरूरत है कि घरेलू हिंसा केवल व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करती है। माधवी की हत्या का मामला यह भी दशार्ता है कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक तनाव को लेकर जागरूकता की कमी है। हमें समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं किसी भी व्यक्ति को हिंसक बना सकती हैं। इस दिशा में सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें परिवार, समाज और सरकार की भूमिका अहम है। गुरु मूर्ति द्वारा किए गए इस अपराध को केवल एक अपराधी की मानसिक विकृति मान कर खारिज नहीं किया जा सकता। यह घटना समाज में व्याप्त गहरी समस्याओं की ओर इशारा करती है। इसे एक उदाहरण बना कर सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इसके लिए न केवल सख्त कानूनों की जरूरत है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाने की भी महती आवश्यकता है।

यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। रिश्तों में बढ़ती हिंसा और असंवेदनशीलता को रोकने के लिए हमें अपने मूल्यों और व्यवहारों पर पुनर्विचार करना होगा। यह समाज के लिए चेतावनी है कि अगर हम अब भी नहीं जागे तो ऐसी घटनाएं आम हो जाएंगी। गुरुमूर्ति और माधवी का मामला केवल एक घटना मात्र नहीं है, बल्कि समाज के लिए आत्मचिंतन का विषय भी है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर जोरदार प्रयास किए जाएं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Mirror mirror on the wall, who is oldest of us all

It is unusual for a political leader to proclaim an archaeological discovery, but it is hardly surprising in today's India. In another time, significant findings would be reported first in reputed academic journals, published after extensive peer review. For instance, the 1995 excavations of iron artefacts, furnaces and other materials dating to 1800 and 1000 BC in Uttar Pradesh were first reported in several Indian and foreign archaeology journals. It is a tedious process and may take years.But in the rich political pickings at the intersection of history and identity, time is short between elections and archaeology can no longer be left to archaeologists.

Recall former Haryana Chief Minister Manohar Lal Khattar driving the excavations in Rakhigarhi, one of the two biggest Harappan sites in India, and his government's push to find the mythical Saraswati river.Even Prime Minister Narendra Modi's priestly participation in the inauguration of the Ram temple at Ayodhya was the culmination of decades of BJP's involvement in the efforts to prove, including through archaeology, that the Babri Masjid was built at the site of a temple razed by Mughal emperor Babar.

Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin was only hewing to the national trend when, on January 24, he announced "with immense pride and unmatched satisfaction" that he was telling the world that "the Iron Age began on Tamil soil." Stalin backed his announcement with the results of two carbon dating tests and a third "luminescence" test. The tests, carried out by two reputed Indian institutes and a lab in the US, have established the antiquity of iron objects excavated from Mayiladumparai, Kilnamandi, Sivagalai and Adichanallur to the third and fourth millennia.

At the moment, the state's Archaeology Department has self-published the findings in a 73-page monograph. It has congratulatory endorsements by 10 high-profile archaeologists, including Rakesh Tiwari, former Director General of the Archaeological Survey of India (ASI), who found important UP Iron Age sites.If established conclusively through other independent assessments, including of methodologies, the Tamil Nadu findings would be a breakthrough development, one that challenges the neat categories of pre-history as we know them. As yet, no other known Iron Age site is dated earlier than 2000 BCE. The Tamil Nadu sites have been dated between 2953 BCE and 3345 BCE. The latest findings push the Iron Age to an antiquity of over 5,300 years and the use of smelting to about 4,000 years.With the establishment of the antiquity of the "Tamil landscape", as Stalin described it, it is inevitable that the DMK will claim bragging rights in matters of identity, pride and politics.

The findings come at the end of a decade of hyper-active archaeological work in Tamil Nadu, beginning with the excavations at Keezhadi in 2014. The period coincided with the start of Modi's prime-ministership, when Rakhigarhi and the hunt for Saraswati were high on the agenda of the BJP in its anxiety to link the Vedic age with the Harappan civilisation to establish the "Indic" origins of the first Hindus.The competitive archaeology meant that Keezhadi became embroiled right at the start in the conspiracy theory that the Centre was trying to stifle the discovery of a "Dravidian civilisation", especially after the ASI transferred the official in charge. The ASI, too, gave life to such theories by sitting on the Keezhadi report written by the official. The reasons are not known, but in Tamil Nadu, it is common knowledge that the report pushes the start of the Sangam Age back to 600 BCE instead of the widely accepted 300 BCE.

Public interest petitions have been filed in the court to get the ASI to publish the report. The high court intervened to get the ASI to hand over the site to the Tamil Nadu State Archaeology Department. The state government then conducted more excavations in Keezhadi and also set up a museum at the site.On the face of it, the Iron Age findings hold far more significance than Keezhadi.

Budget leaves deregulation reforms on the back-burner

The Budget has left the task of deepening economic reforms unfinished in the critical areas of deregulation and ease-of-doing business.

The need to push urban consumption as well as to satisfy a large voter constituency seems to have been a major driver behind the 2025-26 Budget proposals. The unprecedented tax exemptions for incomes up to Rs 12 lakh annually comes as a bonanza for a middle class that had been carping for years over the excessive revenue burden on its shoulders. Yet, the government has managed to continue striding towards fiscal consolidation by bringing the fiscal deficit target down to 4.4 per cent from the 4.8 per cent achieved in FY 2025.

The other areas of revenue inflow are slated to be a much larger asset monetisation programme while the public sector disinvestment target is also ambitious despite having failed to meet goals set in the past few years.

Finance Minister Nirmala Sitharaman's eighth set of budget proposals has much more than just the big bang income tax relief, though it tends to overshadow the other elements. The leap to the Rs 12-lakh income level is bound to be controversial, given the arguments that taxes should be levied at levels close to a country's per capita income. Yet, with personal income tax confined to a small proportion of the population — roughly two per cent — it is unreasonable to expect this segment to bear such a large burden.hough indirect levies are borne by all citizens, direct tax collections are derived either from corporates or individuals, largely in the middle class category. In fact, personal income tax inflows are lately reported to be exceeding corporate tax revenues. So, this year's relief is an overdue concession.The presumption is this will revive urban consumption, which has been sluggish in the past year. The Economic Survey touched on the issue and called upon corporates to raise wages and compensation to boost demand. Tellingly, it commented on the fact that the industries are "swimming in profits" while salaries are not rising commensurately.In fact, increasingly, it seems private industry is putting all the onus on the state for economic development. For instance, industry associations had earlier called for higher public spending of up to 25 per cent in FY 2026. It stands to reason, however, that public capital expenditure cannot be increased ad infinitum. The Budget proposals envisage a 10 per cent rise in capex over the revised estimates of FY2025. This follows several years of double-digit increases in public spending.The state is rightly signaling that it is time for the private sector to play its due role in economic revival. Economic policymakers have spoken of the compact between government, private industry and workers that led to Japan's economic resurgence after the World War II. A similar compact may be difficult to evolve here, but there is no harm in giving it a shot.

Any industry-state cooperation can be facilitated by improving the ease-of-doing business. This Budget has unveiled several measures to unclog the regulatory cholesterol in the system. There is a flaw, however, in the very first step of setting up a high-level committee for non-financial regulations. It has been given the prolonged deadline of one year. A group of determined experts can surely finalise recommendations within three to four months.Other measures are welcome, like the setting up of a mechanism under the Financial Stability and Development Council to formulate a framework to improve responsiveness.

The proposal for an Investment Friendliness Index for States, however, could be a competitive scorecard, but is not much of an incentive for reforms. The process of decriminalising laws is also being carried forward but a more rapid pace of change is needed.

As for specific schemes outlined in the proposals, there are three noteworthy ones. The first is the Prime Minister Dhan-Dhaanya Krishi Yojana. It appears to be a well-designed model to help farmers in low productivity areas by easing credit and improving irrigation facilities, that can be gradually expanded to support more farmers. The second is the plan to augment tourism facilities at 50 locations in partnership with states. This sector has enormous potential for job creation and the proposals for skill development and provision of credit facilities are laudable.The third segment which is vital for this country is in the area of high technology. This includes a plan for a Centre of Excellence in Artificial Intelligence for education as well as a new Fund of Funds for start-ups, which is being given an allocation of Rs 10,000 crore. It must be recalled that the earlier government contribution of the same amount for the Fund of Funds led to commitments of as much as Rs 91,000 crore in the Alternate Investment Funds.All budgets are political documents and this one is no different. The largesse to the middle class comes days before the Delhi elections, an arena where the segment plays a big role. Several schemes announced for Bihar as well was unmistakable. They include the creation of a makhana board, new airports and irrigation projects.

The Budget has lost an opportunity, however, to make greater changes in the area of deregulation. The reforms in customs duty slabs are welcome as well as the cuts on levies on electronic component imports, especially for mobile phones and electric vehicles. But it is here that much greater overhauling is needed to reduce the effective duty rates.Simply put, tariff walls remain too high at a time when the external environment is dictating the need for greater opening up. Industry needs to plug into global supply chains while export growth is being threatened by the prospect of reciprocal levies by the US under an aggressive Donald Trump. The proposed income tax bill should come as a breath of fresh air, but a matching reworking of the customs duty framework is also needed.Finance Minister Nirmala Sitharaman's eighth Budget may bring good cheer to the middle class, but it has left the task of deepening economic reforms unfinished in the critical areas of deregulation and ease-of-doing business.

Return of the natives

India must walk the talk on illegal migration

Days before Prime Minister Narendra Modi's visit to Washington, a US military aircraft has brought 200-odd illegal Indian migrants back to their homeland. El Salvador, Guatemala, Honduras, Peru — these are certainly not the countries that India, the world's fastest-growing major economy, would like to be bracketed with. Yet, here's the inescapable fact: India, that is Bharat, figures among the nations with the largest unauthorised immigrant population in the US, according to Pew Research Centre. A deportation flight may not seem to be the ideal build-up to the PM's visit, but New Delhi has managed to earn a few brownie points by talking tough on illegal immigration. During his recent trip to the US, External Affairs Minister S Jaishankar did some good diplomatic groundwork, reassuring the Trump administration that India was open to the 'legitimate return' of its errant nationals.

India wisely avoided a confrontational approach, which would have created embarrassing bitterness ahead of the Modi-Trump meeting. There was none of the bravado that had left Colombian President Gustavo Petro with egg on his face. He initially refused to accept military flights carrying deportees, but did a U-turn after President Trump threatened to impose tariffs and sanctions on Colombia. Now, Petro is requesting migrants from his country to come home right away and "build social wealth". Such appeasement raises vital questions: Does India have a plan to rehabilitate around 18,000 nationals who have been identified for deportation from the US? And how will Delhi ensure that these people, including Punjabis and Gujaratis, do not undertake an immigration misadventure all over again?

A nationwide crackdown on unscrupulous travel agents is a must to deter desperate people who want to enter America by hook or by crook. The distant dream of Viksit Bharat can wait. The immediate priority should be to create lucrative job opportunities at home for skilled manpower. At the same time, streamlining legal migration ought to be high on the PM's agenda during his one-on-one with Trump.

Miles to go on the nuclear front

High-sounding goals alone won't lead to power generation in the long run

The 2025-26 Budget presented by Finance Minister Nirmala Sitharaman has certain supposedly 'big-ticket' ideas in the technology sector. These include the Nuclear Energy Mission, the Artificial Intelligence Mission and an increase in the allocation for the Ministry of Science and Technology to fund technology development and innovation in the private sector. She also announced a proposal for infrastructure expansion at the Indian Institutes of Technology and a multi-fold increase in the number of medical seats. All these are welcome ideas, though the timelines for their implementation and full financial implications are unclear. Most of them are not new and have been mentioned in previous Budget speeches.The Nuclear Energy Mission is meant specifically for research and development (R&D) pertaining to Small Modular Reactors (SMRs). The justification for going in for SMRs is the need for progressively reducing the dependence on fossil fuels. The goal, according to the FM, is "the development of at least 100 GW of nuclear energy by 2047". The minister said the mission would have an outlay of Rs 20,000 crore and at least five indigenously developed SMRs would be operationalised by 2033. However, she has not allocated funds for the new SMR mission in the Department of Atomic Energy's (DAE) budget, which remains stagnant compared to the previous year. It means Sitharaman's announcement on SMRs is only an intent.

The SMR intent, too, is not new. In her 2024 Budget speech, the minister had announced that India would go in for smaller nuclear reactors in a new push for nuclear energy; they were christened Bharat Small Reactors and Bharat Small Modular Reactors (BSMRs). In December 2024, the government told Parliament that R&D had been initiated to develop BSMRs and that "many countries have shown interest in collaborating with India" for this purpose. The deployment of these reactors will be in sectors with the need for captive power generation, it was said. If the DAE has already initiated the development of SMRs, it should have been allotted funds in this year's Budget to pursue this work. The prefix 'Bharat' was dropped in Sitharaman's 2025 speech. Instead of the 'BSMR' used till December 2024, she has mentioned 'SMR' while referring to the new nuclear initiative.Small reactors and SMRs came on the policy radar when Niti Aayog published a paper on this subject in 2023. A 'small reactor' refers to a nuclear reactor (220 megawatts or MW) based on existing technology like pressurised heavy water reactors, while SMRs refer to even smaller reactors of 30-MW capacity onwards but with new designs. It is projected that such reactors could be pre-fabricated in factories and shipped to a site, reducing construction and installation time. Given their small size, such reactors would not need frequent refuelling, and could even be retrofitted in decommissioned thermal power plants. The safety, environmental and regulatory requirements for SMRs may be different from those for large reactors because SMR designs deploy passive systems and operate at low power and operating pressure. Globally, a handful of commercial SMRs are under development.

The development of nuclear energy was taken up soon after the country gained Independence. India has made substantial progress in developing indigenous capabilities and strategic output in the form of nuclear bombs. On the commercial electricity front, however, nuclear power has been lagging. Currently, India has 24 nuclear power reactors with a total installed capacity of 8,180 MW. Another 21 reactors with capacity totalling 15,300 MW are at various stages of implementation. The DAE is known for fixing long-term targets for enhancing power generation from time to time. In the 1970s, when just a couple of nuclear power plants were functional, the DAE set a target of producing 10,000 MW by 1990. In the 1980s, the target was to achieve 20,000 MW by 2000. Then the deadline was changed to 2020. This year, the goal is 100,000 MW by 2047. Adding about 92,000 MW of nuclear energy in the next two decades is like chasing a mirage.

Nuclear energy is beset with problems of high capital expenditure, fuel supplies and massive environmental and safety costs. Take, for instance, the Gorakhpur nuclear plant in Fatehabad district of Haryana, with a planned capacity of four 700-MW units. The environmental assessment for the project was approved in December 2013, and the government okayed the first phase in February 2014. The Atomic Energy Regulatory Board granted a siting licence in July 2015. Construction was due to begin in June 2015, with the first unit being scheduled to become operational by 2021. It was not until November 2020 that the pouring of the first nuclear safety-related concrete took place. In 2022, the completion deadline was revised to 2028, and now it appears that the first two units will be operational in 2032. The project is slated to cost Rs 40,000 crore. Anyone projecting nuclear power as an option for energy security should keep these ground realities in mind.In her speech, Sitharaman also spoke about 'active participation' of the private sector in achieving the ambitious target of producing 100,000 MW. For this, she said, the Atomic Energy Act and the Civil Liability for Nuclear Damage Act would be amended. Civil liability for nuclear accidents has been a sticking point for Indian private companies willing to participate in nuclear power production as well as foreign nuclear suppliers. The liability law passed in 2010 limits the third-party liability to Rs 1,500 crore and makes the plant operator responsible for it. If an accident occurs due to a faulty plant (as happened in Bhopal in 1984), the operator could take up the matter legally with the supplier. This clause in the liability rules has kept foreign suppliers away from the Indian market. In any case, civil liability is a serious matter and the government must rethink the cap if it has learnt any lesson from the Bhopal tragedy. High-sounding goals alone won't lead to power generation.

Nissan Motor seeking new partners as deal with Honda set to collapse

Nissan's Board Is Pushing Chief Executive Officer Makoto Uchida And Other Executives To Develop A More Comprehensive Restructuring Plan. Image: Bloomberg

New Delhi Nissan Motor Co. is seeking out a new partner as it prepares to end negotiations to form a joint holding company with Honda Motor Co., people familiar with the matter said.

The Japanese carmaker is looking for a partner that would ideally be from the technology sector and US-based, said the people, who asked not to be identified because the information isn't public. North America is Nissan's most important market and the wider shift toward electrification and automation has pushed global carmakers to seek out alliances with other industries. Nissan shares jumped as much as 8.7 per cent in early afternoon trading in Tokyo on Thursday. Shiro Nagai, a Nissan spokesperson, declined to comment, adding that any details concerning talks with Honda would be announced as planned around mid-February.

The carmakers confirmed yesterday that they are still discussing various options, including the possibility of ending deal talks. Honda had floated the idea of acquiring Nissan and making it a subsidiary, which met with strong opposition within Nissan, one of the people said. The level of investment was also a sticking point, the person added. Honda had also made the restructuring of Nissan's operations a prerequisite for any transaction to materialize. Yet, apart from reducing jobs and output, Nissan's current plans do not include any plant closures. Ending discussions with Honda, which were exclusive, would let either side walk away from the deal without having to pay a hefty cancellation fee of ¥100 billion ($657 million), according to their memorandum of understanding on Dec. 23. Nissan's board is pushing Chief Executive Officer Makoto Uchida and other executives to develop a more comprehensive restructuring plan in parallel to any discussions with any potential new partner, the people said. The goal is to come up with a deeper revamp in time for Feb. 13, when the maker of Altimas and Pathfinders is scheduled to report quarterly results. That's also when the board will meet to formalize its decision, one person said.

Nissan has struggled to regain its footing since the 2018 arrest and purge of former Chairman Carlos Ghosn on charges of underreporting compensation, leaving it with an outdated product lineup and too much production capacity.

The scope of Nissan's financial crisis became obvious in November, when a 94 per cent drop in net income triggered plans to cut 9,000 jobs, lower production capacity by 20 per cent and slash its annual profit guidance by 70 per cent. Any new restructuring plans would go beyond those figures. "Further earnings deterioration is possible at Nissan," said Citigroup Inc. analyst Arifumi Yoshida. "Additional restructuring measures are vital." Hon Hai Precision Industry Co., the maker of iPhones known as Foxconn that is trying to establish a foothold in outsourced manufacturing of electric vehicles, put its interest in pursuing Nissan on hold last year when it became clear that the Japanese automaker was in negotiations for a potential combination with Honda. But the electronics contract manufacturer didn't give up completely, preferring to see if the two would make legitimate progress toward a deal before deciding on its next move.

Rolls-Royce, Triveni Engineering to explore marine gas turbine ventures

New Delhi Triveni Engineering & Industries Ltd on Thursday said it has signed an initial pact with Rolls-Royce Marine North America Inc to explore opportunities in 4MW marine gas turbine generators.In a regulatory filing, Triveni Engineering & Industries said it has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Rolls-Royce Marine North America Inc to "explore opportunities to collaborate on programmes for 4 MW marine gas turbine generators (GTG) for customers in India."

"Rolls-Royce has a proven track record of powering some of the world's most advanced naval platforms, including the US Navy's DDG-51 destroyer," said John Shade, EVP for US Business Development and Future Programmes, Rolls-Royce Defence.Shade further noted that "India is a key strategic growth market for Rolls Royce and we are confident that our industry-leading marine gas turbine generators are an ideal choice to power the Indian Navy's future fleet." This would include several key areas including design, development and manufacturing of the marine GTGs, as well as comprehensive sales and support activities.Abhishek Singh, SVP of Business Development and Future Programmes for India and Southeast Asia, Rolls-Royce, said the MoU is significant, given the potential to establish end-to-end support for our marine gas turbine generator in India, from installation and testing to after-market support.Tarun Sawhney, Vice Chairman & Managing Director, Triveni Engineering & Industries Ltd said "such a partnership can not only help us bring advanced technology to power India's naval defence requirements, but also help enhance the capability of indigenous naval defence ecosystem in the country," he said.

Once dismissive of cheaper AI from India, Altman now says it can lead a revolution

NEW DELHI. Some may see it as a sobering effect of the onslaught of China's cost-belting DeepSeek in the global world of AI, but OpenAI founder Sam Altman - who just a year and a half ago dubbed India's ambitions of building foundation AI models with limited budget as a "hopeless" pursuit - now believes the country can be "one of the leaders" in heralding technological leapfrogging.Asked about his 2023 comment (made at a specially curated event organised by The Times of India), Altman - back in the Asian region following the DeepSeek launch at a fraction of cost compared to what OpenAI and others such as Meta, Google and Microsoft are spending - was more measured in his response, while emphasising that he was "quoted out of context". "I think India should be one of the leaders of the AI revolution. It's really quite amazing to see what the country has done in embracing technology and building the entire stack," he said during a fireside chat with IT & electronics minister Ashwini Vaishnaw.

"India is an incredibly important market for AI in general, (and) for OpenAI in particular. It's our second biggest market. We tripled our users here last year."He said India has a high degree of creativity, and should be a "leader" when it comes to developing reasoning models at efficient costs.

Ashwini Vaishnaw - while talking about the work under the India AI Mission and the need for developing local foundation models keeping India's context, languages, cultural and regional nuances in mind - said the country has the capability to do cutting-edge work but at a fraction of costs being incurred by US companies.

"Our young entrepreneurs, our startups, our researchers, they are really, really focused on getting to that next level of innovation which will reduce the cost. Our country sent a mission to the Moon at a fraction of the cost that many other countries spent. Right. Why can't we do a (AI) model which will be a fraction of the cost that many other countries do? So yes, innovation will bring that cost down. We think that kind of thing will come out in this process," the minister said to an audience that included startup founders and those engaged in the field of AI.

Gold Prices Cool After Hitting All-Time High: Will It Resume Surge Know Rates In Your City

New Delhi. After touching all-time high levels, gold prices in India have cooled a bit and opened at Rs 84,460 per 10 grams on the MCX. However, resuming the rally, the gold rate rose to Rs 84,635 per 10 grams in the early trade as of 9:54 am. Silver, on the other hand, was trading lower by 0.36 per cent at Rs 95.620 per kg.

The gold rate had hit its all-time high of 85,210 per 10 grams in the previous session on Wednesday, amid weakness in the rupee and profit-taking in the dollar index.Rahul Kalantri, vice-president (commodities) of Mehta Equities Ltd, said, "Gold and silver showed very high price volatility and gold prices hit $2,900 per troy ounce levels in the international markets for the first time. Gold prices also hit record highs in the domestic markets amid weakness in the rupee and profit-taking in the dollar index."The dollar index slipped below 108 marks and supported gold and silver prices, he added."However, an increase in the ADP non-farm employment to 1,83,000 limits gains of precious metals," Kalantri added.On the silver prices, he said its prices plunged after upbeat US ADP non-farm payroll data but safe-haven buying is supporting bullion prices.Will Gold Rate Resume Upside Movement?"Gold and silver could hold its key support levels of $2,770 and $31.40 per troy ounce, respectively, on a weekly closing basis in the international markets. Gold has support at $2,851-2,838 while resistance at $2,897-2,912. Silver has support at $31.98-31.78 while resistance is at $32.45-32.64," Kalantri said.

Sensex, Nifty fall after flat opening as investors await RBI rate decision

NEW DELHI. Benchmark stock market indices fell after opening flat on Thursday as investors wait for the Reserve Bank of India's rate decision on Friday.The S&P BSE Sensex was down 151.58 points to 78,119.70 at 10:12 am, while the NSE Nifty50 traded 42.95 points lower at 23,696.30.Most of the other broader market indices were also trading flat or in the red as volatility gained momentum.Some pharma and IT stocks were among the gainers, but bank and financial services stocks were down.The top five gainers on the Nifty50 were BPCL, ITC Hotels, Cipla, Dr Reddy's and Power Grid. On the other hand, the top losers were Trent, Titan, Ultratech Cement, M&M and Eicher Motors.While the mood on Dalal Street remains volatile, there are wide expectations that the RBI will cut interest rates for the first time in nearly 5 years. A 25 bps rate cut is expected.Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial

Services, said "The market is moving into a consolidation phase on expectations of a pickup in growth in the coming quarters. In the near-term the market is likely to get a mild boost from a possible 25 bp rate cut by the MPC tomorrow."If the RBI's Monetary Policy Committee (MPC) does cut rates, it will be another boost to consumption after Finance Minister Nirmala Sitharaman announced fresh income tax benefits in Budget 2025."Even though steadily depreciating INR doesn't provide a favourable macro backdrop for a rate cut, the MPC is likely to go for a 25 bp cut tomorrow to keep the optimistic momentum provided by the Budget going," he added.Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "All eyes are on Friday's RBI MPC decision, with hopes for a rate cut to boost consumption."Tapse also said that key corporate earnings from companies such as Bharti Airtel, SBI and ITC will also determine the mood of investors on Dalal Street.

Korean carmaker Kia under government lens in tax evasion case

NEW DELHI. After Volkswagen, South Korean automaker Kia has come under Indian authority's lens for evading taxes.As per the government, Kia has evaded $155 million in taxes by misclassifying component imports, saying that authorities found Kia's Carnival car model was being imported in parts or components in separate lots via different ports, with the "intent to discharge lesser customs duty".

Kia India said it remains committed to following regulatory requirements, stating that they have consistently cooperated with the authorities whenever required.

"Regarding the current matter, we have filed a detailed response, supported by evidence and documentation to substantiate our stand. However, as the issue is currently under consideration of the relevant authorities, we won't be able to comment further or provide additional details on the matter as of now," said Kia India.A 432-page notice, accessed by Reuters, states Kia imported Carnival car parts separately through multiple ports to lower

customs duties. The notice, sent in April 2024, said that this method prevented detection by customs authorities.Kia has reportedly deposited $32 million "under protest" as it continues to fight the Indian tax notice, which is still proceeding. In 2022, authorities searched Kia offices and a factory in Andhra Pradesh and took statements from its executives.During the investigation, Kia executives "changed their stance and have made efforts to mislead," the tax notice stated, referring to statements on imports, manufacturing and taxation, said the Reuters report. Kia is accused of importing more than 90% of the parts for Carnival, constituting a car in CKD form, which attracts higher tax, it added.Besides Kia, the government has issued a notice to the German auto giant Volkswagen for evading $1.4 billion in taxes by paying lesser import tax on components for its Audi, VW and Skoda cars.

LIC gets GST demand of Rs 105 crore

New Delhi: Life Insurance Corporation of India (LIC) on Wednesday said the insurance company has received a demand notice of approximately Rs 105.

Assam women participation high in stock market investment

A statement jointly issued by the National Stock Exchange of India Limited and National Securities Depository Limited revealed that women make up 29.8 per cent of the state's 24.6 lakh registered investors

GUWAHATI. Assam has the fifth highest female participation among all states in India's investment landscape, with women making up 29.8 per cent of the state's 24.6 lakh registered investors. This was revealed in a statement jointly issued by the National Stock Exchange of India Limited and National Securities Depository Limited stated.To promote investor awareness and protect investors' interests in the security market, the two institutions organised a Mega RISA (Regional Investor Seminar for Awareness) here on Wednesday under the aegis of Securities and Exchange Board of India (SEBI) along with other market infrastructure institutions.

SEBI General Manager Aradhana Verma graced the programme as chief guest.Titled "Viksit Bharat ka Viksit Niveshak", the event focused on educating investors about the securities markets, fraud and scam prevention, rights and responsibilities and smart investing practices.The Mega RISA provided a comprehensive perspective on investor rights, responsibilities, emerging market trends, with insightful discussions on fraud prevention in the digital era, financial literacy, and smart investment practices.The event included panel discussions on "The Future of Securities Market – Trends, Challenges and Opportunities", and "Let's Deep Dive into DEMAT". Experts from SEBI and financial institutions highlighted key issues such as emerging market trends, demat-related issues, cyber threats and unregulated investment risks.

Participants were also educated on safe investing practices and identifying red flags in Ponzi schemes, unauthorised advisors, digital scams etc. Additionally, the event included a financial quiz and a "Nukkad Natak", making financial education accessible and engaging.The organisers of the event said the overwhelming participation of investors.

Will RBI cut key rates for 1st time in 5 years 4 things you need to know

New Delhi. The Reserve Bank of India's (RBI) Monetary Policy Committee (MPC) is set to announce its policy decision on Friday, under the leadership of newly appointed Governor Sanjay Malhotra.There are expectations that the central bank's MPC will decide on cutting the key rates for the first time in 5 years by 25 basis points (BPS).The last time the MPC announced a rate cut was way back in May 2020.While analysts have mixed views on whether the RBI will cut the repo rate, a positive announcement could provide another boost to consumption after the recent tax cuts in the Union Budget 2025.So, will the RBI's MPC cut rates tomorrow or stay focused on keeping inflation under control? Here are 4 things you need to know:

25 BPS RATE CUT LIKELY

A 25 basis points (bps) rate cut is widely anticipated, marking the first reduction since the Covid-19 pandemic in May 2020.The repo rate has remained steady at 6.5% since February 2023, following a cumulative 250 bps hike between May 2022 and February 2023.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, believes that a cut is likely despite concerns over the depreciating rupee."The market is

moving into a consolidation phase on expectations of a pickup in growth in the coming quarters. In the near term, the market is likely to get a mild boost from a possible 25 bps rate cut by the MPC tomorrow. Even though steadily depreciating INR doesn't provide a favourable macro backdrop for a rate cut, the MPC is likely to go for a 25 bps cut tomorrow to keep the optimistic momentum provided by the Budget going," he said.Madan Sabnavis, Chief Economist at Bank of Baroda, also supports the likelihood of a rate cut. "The budget has provided growth stimulus, and inflation is expected to ease. However, the rupee remains under pressure due to global trade uncertainties," he noted.

On the other hand, Rumki Majumdar, economist at Deloitte, expects the RBI to maintain a cautious approach. "Balancing inflation and credit growth is tricky. While there is pressure to cut rates, the RBI may choose to keep rates unchanged but maintain an easy policy stance," she said.Umeshkumar Mehta, CIO at SAMCO Mutual Fund, highlighted global factors influencing the RBI's decision. "Bond yields in the US are rising due to inflation concerns, putting pressure on the Indian rupee. To avoid further depreciation, the RBI may choose to keep rates unchanged," he said.

NEUTRAL STANCE TO CONTINUE

The government's fiscal approach in the Union Budget 2025 has provided room for a potential rate cut to stimulate growth. India's GDP growth slowed to a seven-quarter low of 5.4% in Q2 FY25, adding pressure on the central bank to support economic expansion.According to Bajaj Broking Research, the MPC is expected to maintain its neutral stance, allowing flexibility in future policy decisions. The brokerage also noted that RBI's recent liquidity measures aim to stabilize the financial system, reinforcing expectations of monetary easing.Edelweiss Mutual Fund predicts a total rate cut of 50 bps in the first half of 2025, emphasizing the need for monetary policy to complement fiscal measures in boosting demand.

INFLATION AND RUPEE PROBLEM

Inflation remains a key factor in the RBI's decision-making. Consumer Price Index (CPI) inflation for FY26 is projected at 4%, with January inflation expected to be below 4.5%.December inflation stood at 5.22%, marking four consecutive months above 5%, while food inflation eased to 8.4% from 9% in November.Despite easing inflation, concerns over currency stability persist.The rupee has been under pressure due to rising US bond yields and global trade tensions.A rate cut could further weaken the currency, prompting the RBI to adopt a wait-and-watch approach.

POSSIBLE IMPACT ON STOCK AND BOND MARKETS

The stock and bond markets are expected to react sharply to the RBI's decision. A rate cut could benefit banking stocks and lower borrowing costs for businesses and individuals, boosting consumption.However, if rates remain unchanged, volatility may rise as investors recalibrate their expectations.Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities Ltd, highlighted the dual factors influencing market sentiment.

Plea in court to direct poll body to publish transparency data after elections

Delhi Assembly Election Results: The plea also requests an interim order, urging Supreme Court to direct the central poll body to upload Form 17C for the Delhi Assembly Elections 2025 and all upcoming elections with immediate effect.

- Petition demands immediate online publication of Form 17C post-poll
- PIL filed by Congress MP Kishori Lal Sharma and spokesperson Alok Sharma
- Form-17C details votes cast, aiding transparency and legal challenges

New Delhi. In a bid to maintain transparency in electoral process, senior Congress leaders have filed a petition in the Supreme Court, demanding that the Election Commission of India (ECI) be directed to upload Form 17C on its website immediately after polling ends. Form 17C contains detailed information on the number of votes cast at a polling station.

The public interest litigation (PIL) also requests an interim order, urging Supreme Court to direct the central poll body to upload Form 17C for the Delhi Assembly Elections 2025 and all upcoming elections with immediate effect.

The PIL has been submitted on behalf of Amethi Congress MP Kishori Lal Sharma and Congress spokesperson Alok Sharma.

The petition states that to ensure the public availability of Form 17C, the Election Commission should be directed to upload it immediately on its website.This, according to the plea, will enhance transparency in the election process and help prevent electoral malpractices.

Form 17 C refers to all the data given to polling agents on election day, including number of voters in each polling station, number of registered voters in an area, number of voters who didn't vote, names of candidates and the votes

received by each of them and number of votes calculated by an EVM and its identification numbers. The form comes in handy whenever there is any legal challenge to an election result.

The plea highlights inconsistencies in voter turnout data published by the Election Commission, which have been observed in both Assembly and Lok Sabha elections.

The petition argues that the non-disclosure of Form 17C by the Election Commission erodes public trust in the electoral process and violates the Right to Information (RTI) Act. It further alleges that the Election Commission failed to publish this crucial data in the public domain or any government portal on the same day as the polling.

Legs chained, handcuffed on flight to India from US, claim deportees

The Donald Trump administration in the US deported 104 illegal Indian immigrants, including 19 women and 13 minors, who arrived in Amritsar on Wednesday.

New Delhi. The Indian nationals who were deported from the US for illegally arriving in the country claimed that they were sent back on a military aircraft with their hands and legs cuffed throughout the journey.

A US military aircraft carrying 104 deportees, including 19 women and 13 minors, landed at Amritsar airport on Wednesday amid Donald Trump's crackdown on illegal immigrants.

One of the deportees, Jaspal Singh, a 36-year-old man from Punjab's Gurdaspur, said that they were unshackled only after landing in Amritsar.

"We thought we were being taken to another camp. Then a police officer told us that we were being taken to India. We were handcuffed, and our legs were chained. These were opened at Amritsar airport," he told news agency PTI. Singh added that he was kept in custody in the US for 11 days before being sent back home. However, earlier on Wednesday, the government fact-checked a photo, which was widely shared on social media with the claim that Indian migrants were handcuffed and their legs were chained during deportation, saying it was actually of Guatemalan nationals, not Indians.

"I had asked the agent to send me with a proper visa, but he deceived me," said Jaspal, adding that the deal was made for Rs 30 lakh. "A huge sum was spent. The money was borrowed."

Harwinder Singh, another deportee from Punjab, said he was taken through Qatar, Brazil, Peru, Colombia, Panama, and Nicaragua before reaching Mexico. While travelling from Mexico to the US, "We crossed hills. A boat that was carrying me along with other people was about to capsize in the sea, but we survived," he said.

"Inhuman": Opposition's Shackles-And-Chain Protest Of US' Deportation Flights

New Delhi. Opposition MPs targeted the government Thursday over the United States' deportation of 104 illegal Indian immigrants, demanding a discussion in Parliament over their "inhuman" treatment, which included shackling arms and legs while on a US military aircraft that reached Amritsar last night.

A multitude of opposition leaders - including Rahul Gandhi and Priyanka Gandhi Vadra from the Congress, and Samajwadi Party boss Akhilesh Yadav - gathered outside the Parliament building's main gate with placards screaming 'Humans, not prisoners' and with handcuffs on their hands.

The primary complaint is the use of shackles and military aircraft to ship out deportees; earlier, the US used chartered passenger jets to deport illegal immigrants, who were not handcuffed. The use of military aircraft

has been seen as President Donald Trump sending out a 'strong message'.

The Trump administration has turned, increasingly, to the military to help carry out its immigration agenda, using military aircraft to deport migrants and opening military bases to house them.

There are reportedly over 20,000 undocumented Indians in the US.

Opposition's Shackles, Chain Protests

The Lok Sabha and Rajya Sabha were both adjourned till noon after MPs from the Congress, the Samajwadi Party, the Trinamool, the Aam Aadmi Party, and the Communist Party of India all served adjournment notices under Rule 267, which requires the House to set aside scheduled business.

All these notices were rejected, provoking furious reactions from the opposition lawmakers, many of whom stood in their seats and shouted out their protests. In the charged, verbal stand-off that followed, Rajya Sabha Deputy Chair Harivansh Narayan Singh struck MPs' remarks from the record.

Chandrayaan-4 To Launch In 2027: Union Minister Jitendra Singh

New Delhi. India will launch the Chandrayaan-4 mission to bring back samples of moon rocks to the Earth in 2027, Science and Technology Minister Jitendra Singh said. Chandrayaan-4 will involve at least two separate launches of the heavylift LVM-3 rocket that will carry five different components of the mission which will be assembled in orbit.

"The Chandrayaan-4 mission aims to collect samples from the moon's surface and bring them back to the Earth," Mr Singh told PTI Videos in an interview.

The minister said the Gaganyaan mission, which involves sending Indian astronauts in a specially designed spacecraft to low-earth orbit and bringing them back safely, will be launched next year. In 2026, India will also launch Samudrayaan, which will take three scientists in a submersible up to a depth of 6,000 metres in the deep ocean, to explore the seabed.

"This achievement will align with the timelines of India's other landmark missions, including the Gaganyaan space mission, marking a pleasant coincidence in the nation's journey toward scientific excellence," Mr Singh said. Mr Singh said Prime Minister Narendra Modi highlighted the Samudrayaan mission in his Independence Day speech.

The minister underscored the potential of the Samudrayaan to unlock vast resources, including critical minerals, rare metals, and undiscovered marine biodiversity, all of which are crucial for the country's economic growth and environmental sustainability.

The first uncrewed mission of the Gaganyaan project carrying a robot, 'Vyommitra', will also take place this year. Mr Singh said that while the Indian Space Research Organisation (ISRO) was established in 1969, it took more than two decades to set up the first launch pad in 1993.

The second launch pad came up in 2004, another decade-long gap. However, in the last 10 years, India's space sector has undergone unprecedented expansion, both in terms of infrastructure and investment, he said.

"We are now building a third launch pad and for the first time for heavier rockets, and expanding also beyond Sriharikota with a new launch site in Tamil Nadu's Tuticorin district to launch small satellites," Mr Singh said. The minister said that India's space economy, currently valued at USD 8 billion, is projected to reach USD 44 billion in the next decade, further cementing India's role as a global space powerhouse.

India Considering New Law For Migrants' Safety Amid US Deportation Row

New Delhi. The Centre is "seriously considering" enacting a new law to establish a framework which will promote "safe, orderly and regular migration for overseas employment". This move comes amid a row over the United States deporting over a hundred Indian migrants who landed in Amritsar yesterday on a C-17 US military aircraft, chained and shackled.

The tentatively titled 'Overseas Mobility (Facilitation and Welfare) Bill, 2024' emerged from a report presented in Lok Sabha by the Parliamentary Standing Committee on External Affairs, headed by Congress MP Shashi Tharoor, on Monday. The migrants, 104 in total and hailing from various states, were rounded up in a sweeping crackdown on illegal immigration in the US. Among them, 33 were from Haryana and Gujarat, 30 from Punjab, three from Maharashtra and Uttar Pradesh, and two from Chandigarh. Nineteen women and 13 minors, including a four-year-old boy and two girls aged five and seven, were also on the flight.

"The government carefully monitors the number of students in all foreign countries, and carefully monitors their welfare in situations of tension. We alert students, as we have done in Ukraine. Whenever there is a situation when we need to run flights, we are prepared. We have contingency plans," said External Affairs Minister S Jaishankar in Parliament today.

Mr Tharoor acknowledged that deportations of illegal immigrants are routine but criticised the US authorities for the manner in which they handled the Indian nationals. India Considering New Law For Migrants' Safety Amid US Deportation RowThis move comes amid a row over the United States deporting over a hundred Indian migrants who landed in Amritsar yesterday on a C-17 US military aircraft, chained and shackled.

Sold land, spent lakhs on agents: Families in distress as kin deported from US

New Delhi. Several families are facing financial uncertainties after their kin were sent back to India, barely a week after the new United States President Donald Trump signed an executive order to deport all illegal migrants back to their respective countries.

Akashdeep's father claimed that they had spent over Rs 60 lakh to secure a bright future for their son, while 20-year-old Akash's brother Subham sold off 2.5 acres of their land in Haryana's Karnal to pay Rs 65 lakh to an agent.

Akashdeep Singh and Akash, hailing from Punjab and Haryana respectively, were among 104 illegal Indian migrants who landed in Amritsar on February 5 after being deported from the US.

Akashdeep's father claimed that they had spent over Rs 60 lakh to secure a bright future for their son. Belonging from Rajatal, a village near India-Pakistan border, Akashdeep was caught by US authorities on January 23.

Akashdeep spent seven months in Dubai before going to the US with the help of an agent. He had called his father on Wednesday after landing in India, assuring him that he was safe.

However, his family said that they were facing severe financial stress as they were struggling to recover from the massive debt that they incurred while sending their son abroad.

Akashdeep's father, Swaran Singh, revealed that they mortgaged their land, took loans and even sold their jewellery and cattle to finance his trip.

"We spent over Rs 60 lakh to send him to the US. We took loans and pledged everything we had,"

The story is no different for 20-year-old Akash's family in Haryana's Karnal, who sold off their ancestral land to fund his travels. Since Akash insisted on going to the US, his elder brother Subham sold 2.5 acres of their land to pay Rs 65 lakh to an agent.

Families Call For Government Intervention

Following their son's return to India, Akashdeep's family has apealled to the government for financial assistance.

"If my son had found a job in India, there would have been no need to send him abroad. The government must provide employment to those who have returned," Swaran Singh added.Echoing Swaran Singh's sentiments, Akashdeep's uncle Gurpreet Singh demanded the Centre to step in and support the struggling families.

AAP or BJP — who has got crucial Purvanchali votes?

NEW DELHI. Purvanchali voters, who favoured the ruling AAP in the last two assembly elections, appear divided between the AAP and the BJP this time. In most Purvanchali-dominated assembly segments, the people have keenly assessed which party performed better before casting their votes.

The election campaign saw the three main parties, including the Congress, outdo one another to woo the Purvanchali vote. This segment, mainly from Bihar, Eastern UP, Uttarakhand and Jharkhand, plays a crucial role government formation in the national capital.

An estimated 25% of the 40 lakh-odd registered voters have Purvanchali backgrounds. Besides Dalits and Muslims, powerful vote banks in the city, this section stands out as a formidable influencer of the voting outcome. It is reported that they can influence results in 25-27 assembly constituencies in the city. They are in the majority in nearly 12 assembly seats, and parties have given tickets to Purvanchali candidates on many.

Ganesh Prasad Sinha, a Purvanchali from Patna, said ongoing politics over developmental issues upset him. He said that governance should be the core of any political party and that the common man's problems should get priority. The octogenarian voter said that facilities made for senior citizens, like pension, railway fare concession, etc., should neither be on hold nor discontinued.Another Purvanchali voter, Shahabuddin from the Seelampur assembly constituency, discussed the voters' limited choices. "The area is thoroughly neglected by both parties ruling in the state and the Centre.

Many who voted for the Congress in Sheila Dikshit's time preferred AAP in later elections. They might have been willing to vote for the grand old party but hesitated, lest their vote might go to waste. The only option for them was the ruling party for them." Bibha Jha, a voter in the Laxmi Nagar constituency, claimed voters remained equally divided between AAP and BJP.

Army to boost firepower with 70,000 new AK-203 rifles as part of Russia deal

With superior ergonomics, durability, and adaptability, the AK-203 delivers enhanced firepower, making it ideal for diverse combat scenarios, from counterterrorism operations to high-altitude warfare.

NEW DELHI. The Indian Army is set to receive 70,000 AK-203 assault rifles in 2025, followed by an additional one lakh units in 2026 under an arms deal with Russia, according to defence sources.

This delivery, part of a larger agreement with Moscow, aims to equip Indian soldiers with one of the most advanced and reliable assault rifles in the world. The Indian Army has already received 35,000 of these rifles in 2024. The AK-203, manufactured under a joint Indo-Russian venture in Amethi, Uttar Pradesh, is replacing the ageing INSAS (Indian Small Arms System) rifles currently in service. Indigenous components in these AK-203 rifles will be increased to up to 30 per cent this year, with further enhancements in subsequent supplies, according to Army officials.

With improved ergonomics, durability, and

adaptability, the AK-203 offers enhanced firepower, making it ideal for various combat scenarios, including counterterrorism operations and high-altitude warfare.

A modernised version of the legendary Kalashnikov series, the AK-203 provides superior accuracy, a lightweight construction, and compatibility with advanced optics and accessories. The rifle is chambered for 7.62—39mm ammunition, which offers greater stopping power compared to the 5.56mm INSAS. This procurement aligns with India's broader defence indigenisation goals under the 'Make in India' initiative, ensuring that most of the rifles are manufactured domestically by Indo-Russian Rifles Private Limited (IRRPL), according to Defence Ministry officials. This not only enhances India's self-reliance in arms production but also strengthens bilateral defence cooperation with Russia.

The AK-203 contract, signed in July 2021 and valued at over â‚¹5,000 crore, is an agreement between India and Russia for the domestic production of AK-203 assault rifles. It involves a joint venture between Indo-Russian Rifles Private Limited (IRRPL) and Rosoboronexport (RoE) for the production of over 6.1 lakh AK-203 rifles, including technology transfer from Russia. The first batch of 70,000 AK-203 rifles was reportedly delivered to the Indian Army on January 25, 2022, though the date has not been officially confirmed. Licensed production of the rifles officially commenced in January 2023. Between May and July 2024, another batch of 35,000 rifles was delivered, marking a significant step in the indigenous manufacturing and supply of these advanced assault rifles to the Indian armed forces.

With ongoing tensions along the Line of Actual Control (LAC) with China and persistent cross-border threats from Pakistan, upgrading infantry weapons has been a priority for the Indian Army. The AK-203 provides troops with a more robust, easy-to-maintain, and combat-proven firearm, significantly enhancing their operational readiness.

NEWS BOX

Elon Musk Changes X Bio, Mentions White House Role. It's Not DOGE Boss

World Tesla chief Elon Musk, who heads the US Department of Government Efficiency in the Trump administration, has updated his profile bio on X (formerly Twitter). It now reads "White House Tech Support".Musk, who has been considerably active on X since acquiring it and often shares memes, had changed his bio to CTO (Chief Troll Officer) last year.After Trump's inaugural ceremony on January 20, the White House had announced that the United States Digital Service - which was created by former president Barack Obama - would be publicly renamed the United States DOGE Service (USDS). It was established in the Executive Office of the President.Confirming this yesterday, Elon Musk said the USDS was renamed to DOGE Services to modernise computer systems in the US government. Following this, the "tech support" bit appeared in his bio.Musk, A Dedicated DOGE Leader

Earlier this week, on February 2, Musk said "DOGE is working 120 hours a week", drawing flak on social media. Before that, Musk was reportedly sleeping at the DOGE headquarters in Washington D.C., as per WIRED.Musk was reportedly eyeing his office inside the Oval Office, West Wing of the White House. However, US President Donald Trump clarified that a separate office has been set up for Musk and his team. And it is not a part of the Oval Office.During a press briefing on Saturday (January 25), when Trump was asked if Musk has an office in the West Wing, the President categorically said, "No, no, not - it's not Elon's office.""We have an office that's set up for purposes of - when I do an executive order, that the order is carried out, not that it sits around for three months. And we'll have about 20 people, maybe more, working out of that office," Trump said.DOGE was formed to "dismantle government bureaucracy, slash excess regulations, cut wasteful expenditures, and restructure federal agencies - essential to the 'Save America' Movement."Trump and Musk have claimed that $2 trillion could potentially be saved, but most experts believe that is not realistic without deep cuts to crucial social services or benefits.

South Korea Ministries Block Access To China's DeepSeek On Work Computers

Seoul, South Korea. South Korea's defence and trade ministries said Thursday they had blocked DeepSeek's access to work computers, following a request from the country's data watchdog for the Chinese AI startup to clarify how it manages user information. DeepSeek launched its R1 chatbot last month, claiming it matches the capacity of artificial intelligence pace-setters in the United States for a fraction of the investment.South Korea, along with countries such as France and Italy, have asked questions about DeepSeek's data practices,

submitting a written request for information about how the company handles user information.Seoul's defence ministry said Thursday it had blocked DeepSeek from military computers connected to the internet, while the trade ministry said that access had been temporarily restricted on all PCs within the agency."Blocking measures for DeepSeek have been implemented specifically for military work-related PCs with Internet," a ministry official told AFP.

The trade ministry said DeepSeek has not responded to the data watchdog's inquiry."We have temporarily blocked DeepSeek since it has not responded to The Personal Information Protection Commission's inquiry," a trade ministry official told AFP.

Marco Rubio Says Trump Meant Only Temporary Gaza Move For Rebuilding

Washington.US President Donald Trump only wants Palestinians to leave Gaza temporarily while the territory is reconstructed, Secretary of State Marco Rubio said Wednesday.Trump stunned the world and drew condemnation when he proposed Tuesday at a meeting with Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu that the United States could take over war-battered Gaza.Trump's idea "was not meant as hostile. It was meant as, I think, a very generous move -- the offer to rebuild and to be in charge of the

rebuilding," Rubio told reporters on a visit to Guatemala.Trump offered a US "willingness to step in, clear the debris, clean the place up from all the destruction that's on the ground, clean it up of all these unexploded munitions," Rubio said."And in the meantime, the people living there will not be able to live there while you have crews coming in and removing debris," he sai.

Rahim Al-Hussaini is named the new Aga Khan, spiritual leader of Ismaili Muslims

The Aga Khan is considered by his followers to be a direct descendant of the Prophet Muhammad and is treated as a head of state.

LISBON. Rahim Al-Hussaini was named Wednesday as the new Aga Khan, spiritual leader of the world's millions of Ismaili Muslims, following the death of his father.

The 53-year-old was designated as the Aga Khan V, the 50th hereditary imam of the Ismaili Muslims, in his father's will. His father died Tuesday in Portugal.The Aga Khan is considered by his followers to be a direct descendant of the Prophet Muhammad and is treated as a head of state.The Aga Khan Development Network and the Ismaili religious community announced earlier that His Highness Prince Karim Al-Hussaini, the Aga Khan IV and 49th hereditary imam of the Shiite Ismaili Muslims, died surrounded by his family.

Prince Rahim is the eldest son of the former Aga Khan. He was educated in the U.S., having studied comparative literature at Brown University, and has served on the boards of various agencies within the Aga Khan Development Network, the spiritual leader's main philanthropic organization, according to a statement it released Wednesday.The organization deals mainly with issues of health care, housing, education and rural economic development. It says it works in over 30 countries and has an annual budget of about $1 billion for nonprofit development activities.The Aga Khan Development Network said Prince Rahim took a special interest in its work to fight climate change and protect the environment.

The late Aga Khan was given the title of "His Highness" by Queen Elizabeth in July 1957, two weeks after his grandfather, the Aga Khan III, unexpectedly made him heir to the family's 1,300-year dynasty as leader of the Ismaili Muslim sect.Over decades, the late Aga Khan evolved into a business magnate and a philanthropist, moving between the spiritual and the worldly with

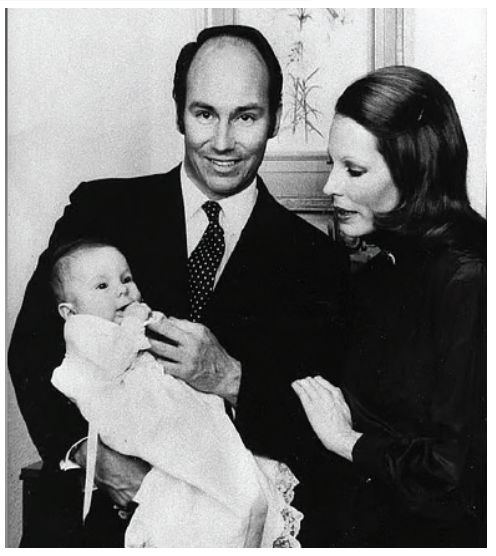

ease.A defender of Islamic culture and values, he was widely regarded as a builder of bridges between Muslim societies and the West despite — or perhaps because of — his reticence about becoming involved in politics.A netwrk of hospitals bearing the Aga Khan's name is scattered in places where health care was lacking for the poorest, including Bangladesh, Tajikistan and Afghanistan, where he spent tens of millions of dollars in developing local economies.Ismailis lived for many generations in Iran, Syria and South Asia before also settling in east Africa, Central Asia and the Middle East, as well as Europe, North America and Australia more recently. They consider it a duty to tithe up to 12.5% of their income to the Aga Khan as steward.

Shenila Khoja-Moolji, an associate professor at Georgetown University who researches Muslim societies, said Ismailis turn to the Aga Khan in matters of faith and daily life and often refer to him "as a paternal figure."

US Man, Convicted Of Pastor's Murder In 2011, Executed In Texas

Livingston, United States.A man was executed by lethal injection in the US state of Texas on Wednesday for the 2011 murder of a pastor that he insisted he did not commit. Steven Nelson, 37, spent more than a dozen years on death row for the murder of Clint Dobson, 28, during a robbery of the NorthPointe Baptist Church in Arlington, near Dallas.Dobson was beaten and suffocated with a plastic bag. Judy Elliott, the church secretary, was also badly beaten but survived.Nelson's appeals against his conviction and death sentence were repeatedly rejected by Texas courts and the US Supreme Court had declined to hear his case.He was executed and pronounced dead at 6:50 pm local time (0050 GMT on Thursday), state official Amanda Hernandez said in a statement. Nelson was interviewed by AFP recently at the maximum-security prison in Livingston, a town 75 miles (120 kilometers) north of Houston, where he was awaiting his execution."It's hard at times," he said. "You're waiting to be put to death. So that kind of breaks a little part of you every day... You just don't want to do nothing."Nelson acknowledged that he served as a lookout during the robbery and that he entered the church after the murder to steal some items. But he said it was his two accomplices, who were never

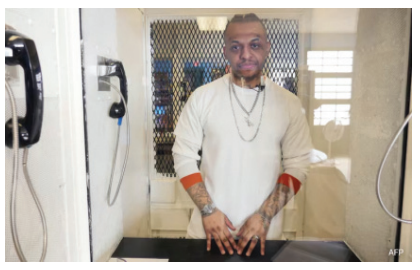

brought to trial, who committed the murder."I didn't know what was going on on the inside," he said, claiming his friends "blamed everything on me."

"So they're free and I'm locked up," he said. "I'm here on death row because of what somebody else did.""I'm an innocent man," Nelson said. "I'm being executed for a crim a murder, that I did not commit."'Make my heart stop'Nelson married a French woman, Helene Noa Dubois, while in prison, but said ahead of the execution that he did not want her to witness it. "I really don't want her to see that -- me getting pumped full of drugs and being overdosed with drugs to kill me, to make my heart stop."But if she makes that choice to be there then that's her choice."In his final statement, Nelson said he was "at peace.""Always live for me and enjoy life," he said, according to state authorities. "Know I am not scared... I'm at peace, I'm ready to be at home. "Let's ride Warden."There were 25 executions in the United States last year and Nelson's brought this year's number to two so far, after an earlier case in South Carolina. The death penalty has been abolished in 23 of the 50 US states, while three others -- California, Oregon and Pennsylvania -- have moratoriums in place.hree states -- Arizona, Ohio and Tennessee -- that had paused executions have recently announced plans to resume them. President Donald Trump is a proponent of capital punishment and on his first day in the White House he called for an expansion of its use "for the vilest crimes."

US Government Vessels To Sail Through Panama Canal Without Fees

Washington, United States. The United States said Wednesday that its government vessels would be allowed to sail for free through the Panama Canal, following heavy pressure from President Donald Trump."US government vessels can now transit the Panama Canal without charge fees, saving the US government millions of dollars a year," the State Department said in a post on social media platform X.It was the first public announcement of promises hinted at by US Secretary of State Marco Rubio, who said that Panama offered concessions during his talks on Sunday.Rubio said he had told Panama that it was unfair for the United States to be in a position to defend the vital waterway and also to be charged for its use.

Since winning the November US election, Trump has refused to rule out the use of force to seize the canal, through which 40 percent of US container traffic passes. Trump and Rubio have complained about Chinese investment -- including ports on both sides of the canal -- and warned that Beijing could close the

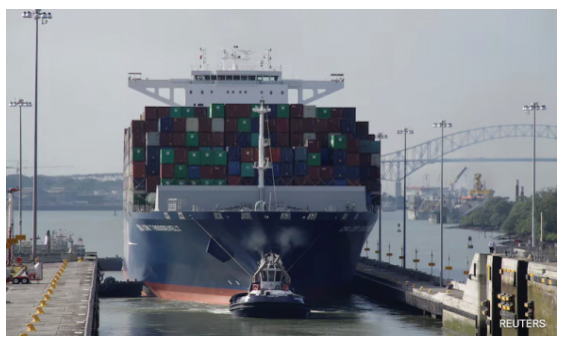

waterway to the United States in a crisis.

Panama has forcefully denied Trump's repeated allegations that China has been given a role in operating the canal. But it has also moved to address US concerns. President Jose Raul Mulino after his talks with Rubio said that Panama would not renew membership in the Belt and Road Initiative, Beijing's signature infrastructure-building program.

Rubio told reporters on Monday that his talks with Mulino were "respectful" and that the visit was "going to achieve potentially good things that assuage concerns we have."

Trump, however, said that he was still "not happy," although he acknowledged that Panama had "agreed to certain things."The United States and Panama are scheduled to hold new talks on Friday to discuss the canal.

Trump in his inaugural address said the United States would be "taking back" the canal -- built more than a century ago by Washington with Afro-Caribbean labor and handed back to Panama at the end of 1999.

After US, Israel Halts Participation In UN Human Rights Council

Jerusalem. A day after US President Donald Trump announced America's withdrawal from the United Nations Human Rights Council (UNHRC), Israel's Minister of Foreign Affairs, Gideon Sa'ar, said on Wednesday that Israel would also join the US in its decision not to participate in the UNHRC.Sa'ar expressed Israel's support for Trump's decision, calling it a step in the right direction.In a post on X on Wednesday, Israeli Foreign Minister said, "Israel welcomes President Trump's decision not to participate in the UN Human Rights Council (UNHRC). Israel joins the United States and will not participate in the UNHRC."He called the UNHRC to have "traditionally protected human rights abusers by allowing them to hide from scrutiny, and instead obsessively demonizes the one democracy in the Middle East - Israel. This body has focused on attacking a democratic country and propagating antisemitism, instead of promoting human rights.""The discrimination against us is clear: In the UNHRC, Israel is the only country with an agenda item dedicated solely to it. Israel has been subjected to over 100 condemnatory resolutions, over 20% of all resolutions ever passed in the Council - more than against Iran, Cuba, North Korea and Venezuela combined. Israel will not accept this discrimination any longer!" he added.The announcement from the Israeli Foreign Minister came amid Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's visit to the United States.

US President Trump made the announcement during a joint press conference with Israeli PM Netanyahu in Washington, DC on Tuesday (local time).Trump announced America's departure from the "anti-semitic" UN Human Rights Council and the UN Relief and Works Agency (UNRWA), which drew a lot of flak over the allegations of links with Hamas.

"I'm also pleased to announce that this afternoon the United States withdrew from the anti-semitic UN Human Rights Council and ended all of the support for the UN Relief and Works Agency, which funnelled money to Hamas and which was very disloyal to humanity. Today I also took action to restore our maximum pressure policy on the Iranian regime. And we will once again enforce the most aggressive possible sanctions, drive Iranian oil exports to zero, and diminish the regime's capacity to fund terror throughout the region and the world," the US President added.tanyahu arrived in the US on Sunday to discuss the Gaza ceasefire agreement as well as plans for the Middle East with Trump, Al Jazeera reported.The Israeli PM is also expected to have a meeting with the US military leaders and members of Congress, Al Jazeera reported. These meetings will be held over several days.During the visit of the Israeli Prime Minister, Donald Trump said during the joint conference, "The bonds of friendship and affection between the American and Israeli people have endured for generations, and they are absolutely unbreakable."

Following Trump, Argentina quits WHO; says 'would not allow international body to interfere in sovereignty'

The decision was based on "deep differences regarding health management, especially during the pandemic," President Javier Milei's spokesman told reporters.

BUENOS AIRES. Argentina said Wednesday it will pull out of the World Health Organization, following in the footsteps of the United States and citing similar complaints over the UN body's management of the Covid-19 pandemic.

resident Javier Milei's spokesman announced the decision two weeks after President Donald Trump, an ideological ally and hero of the Argentine leader, announced Washington's planned exit from the agency.

Milei's decision was based on "deep differences regarding health management especially during the pandemic," spokesman Manuel Adorni told reporters, adding Argentina would not "allow an international body to interfere in our sovereignty."He cited the "longest lockdown in the history of humanity" and "a lack of independence (at the WHO) in the face of the political influence of some states," without naming names.Adorni insisted the measure gave Argentina "greater flexibility to implement policies adapted to the context" locally, while ensuring "greater availability of resources."HO data shows Argentina contributed some $8.75 million in membership fees to the organization across 2022 and 2023 -- 0.11 percent of the total budget.It is slated to contribute $8.25 million for the two-year 2024/25 cycle.he vast majority of the United Nations health agency's budget comes from voluntary contributions, however, and Argentina has made none in recent years.Adorni said Argentina "does not receive funding from the WHO, so this measure does not represent a loss of funds for the country."ast year, Argentina refused to join a new

pandemic protocol drawn up by the WHO and gave notice of its intention to withdraw from the agency altogether.'Endless quarantines'A statement from the president's office, issued after Adorni's briefing, elaborated on the decision.It claimed the WHO had "promoted endless quarantines without scientific basis" as the world battled the Covid-19 pandemic, which claimed millions of lives.The quarantines caused one of the greatest economic catastrophes in world history," the presidency said.Self-declared "anarcho-capitalist" Milei is an avowed fan of Trump, who signed an order within hours of his January 20 inauguration for the United States to withdraw from the WHO, which he has also criticized for its handling of the pandemic.

Washington was the biggest contributor to the Geneva-based organization, which Trump claimed had "ripped us off," and the US withdrawal leaves global health initiatives short of funding.Since taking office in December 2023, Milei has gutted public spending, having vowed to maintain a zero budget deficit after years of overspending.His austerity measures are estimated to have tipped millions more people into poverty.

NEWS BOX

Neymar makes emotional yet lacklustre Santos return in 1-1 draw vs Botafogo

Brazilian forward Neymar made an emotional return to his boyhood club, Santos, in a much-anticipated match against Botafogo in the Brazilian Paulista Championship on Wednesday. Despite the hype surrounding his homecoming, the game ended in a lacklustre 1-1 draw, leaving fans with mixed feelings.

Santos president Marcelo Teixeira had announced Neymar's return following his departure from Al Hilal, marking an emotional homecoming for the Brazilian sensation. The Urbano Caldeira stadium was a cauldron of emotion as Neymar, who left Santos 12 years ago to embark on a stellar European career, received a hero's welcome.

The stands erupted in celebration, with fans lighting up their mobile phones to honour the club icon on his 33rd birthday. Tears and cheers filled the air as Neymar stepped onto

the pitch, symbolising a full-circle moment in his career.Starting on the bench, Neymar watched as Santos took the lead in the first half through Tiquinho Soares' penalty. However, when he finally entered the game after halftime, he struggled to find his rhythm. His return to competitive football after a 16-month injury layoff proved challenging, as he failed to produce the magic that once defined his playing style.Botafogo capitalised on Santos' inability to extend their lead, with Alexandre de Jesus scoring the equaliser in the 67th minute. The match took a dramatic turn four minutes later when Wallison was sent off for a foul on Neymar, but Santos failed to capitalise on their numerical advantage.

Reflecting on his return, Neymar expressed deep emotion: "I can't find the words to express the feeling when you love something. I love Santos very much and I can't find the words to describe the feeling I felt when I stepped out onto the pitch today.

He acknowledged the difficulty of the game, noting that Botafogo's defensive discipline and physicality made it a tough contest. "It was a very difficult game. I had even commented that my father was there on the side. I said, it's a difficult game, they're marking a lot at the back, they're a team that defends a lot, a lot of hitting.

SL vs AUS: Australia batter Cooper Connolly makes Test debut against Sri Lanka

☛Cooper Connolly was handed his Baggy Green cap as the youngster made his Test debut in the second match of the two-Test series against Sri Lanka in Galle.

New Delhi Cooper Connolly received his Baggy Green cap as he made his Test debut against Sri Lanka in Galle during the second match of the two-Test series. Connolly, a spin-bowling allrounder who has yet to capture a wicket in four first-class games, received the Baggy Green Cap 471 from fellow Western Australian and former Test allrounder Simon Katich.Australia captain Steve Smith won the toss and opted to bowl in the second Test. Smith also confirmed that there was one change in the side with Cooper Connolly making his debut in place of Todd Murphy.Connolly's father, Shane (a former player), and mother, Donna, attended the presentation after travelling from Perth ahead of last week's first Test. Connolly replaced Todd Murphy in Australia's playing XI from last week's first Test in Galle, as the side attempts to bolster their batting depth on a ground designed to help spin bowling and where runs are anticipated to be limited.Connolly was named BBL 2025 Player of the Tournament earlier this week after dominating with the bat for the Perth Scorchers and finishing as the highest run scorer.

Sri Lanka vs Australia 2nd Test Day 1: UPDATES

"From what I've seen in the nets he bowls some really good balls," Smith said about Connolly. "He was pretty consistent where he was bowling in Dubai and in the nets here, and that's kind of all you've got to do in these conditions. Just try and bowl as many good balls in a good area, and just let the conditions take over.A special pre-game ceremony was also given to former Sri Lanka captain Dimuth Karunaratne, whose 100th Test appearance today would also be his last after announcing his retirement from all forms of cricket yesterday. When asked yesterday about Connolly's chances of making his debut in the harsh conditions, Smith said he wasn't concerned about the left-armer's lack of red-ball bowling experience.

Yashasvi Jaiswal reveals secret behind his tremendous six-hitting prowess

New Delhi Young India opening batter Yashasvi Jaiswal has credited the Indian Premier League (IPL) for building his sensational six-hitting prowess. Jaiswal etched his name in record books as he registered the most sixes in a bilateral Test series in 2024 against England. The southpaw smashed 26 sixes in five matches (9 innings) to break Rohit Sharma's record of 19 sixes achieved in 2019 against South Africa.Furthermore, the youngster also broke the record for most sixes in a calendar year clobbering 36 maximums in 2024 leaving behind Brendon McCullum (33 sixes) in the list. Recently, the 23-year-old was asked about the secret behind his six-hitting and he thanked his IPL team Rajasthan Royals (RR) for giving him a nice setup to work on his skills.

"IPL has helped me a lot to improve my sixes and especially I would like to mention Zubin Bharucha sir, he has helped me a lot in my cricket from last so many years. I would also like to thank Rajasthan Royals, they have provided me a really nice setup that I can go and prepare well. So I can say that this is the contribution of a lot of people and then I also practice a lot to hit sixes," Jaiswal told Forbes India.Furthermore, Jaiswal was asked about his ODI ambitions after having left his mark in Test and T20I cricket and the youngster admitted being excited on his maiden ODI call up.

I wish I will be a part of the ODI team: Jaiswal"I don't know what will happen. Of Course, I'm excited. I wish I will be a part of the one-day team. I'm excited, but let's see, I will be in present and whatever comes in front of me I will try to do that," he added.Jaiswal has been selected in the Indian team for the ODI series against England and the upcoming ICC Champions Trophy 2025. The southpaw has been selected as the third opener in the squad alongside captain Rohit Sharma and Shubman Gill. It remains to be seen whether Jaiswal will get an opportunity to make his ODI debut in the upcoming rubber against England.

WPL will play key role in India's preparations for ODI World Cup: Harmanpreet Kaur

India captain Harmanpreet Kaur said that the Women's Premier League (WPL) will play a key role in India's preparations for the upcoming ODI World Cup, scheduled later this year in India. Harmanpreet believes that the WPL 2025 will help Indian players refine their skills and improve their fitness during the free window following the tournament.

The five-team WPL is scheduled to take place from February 14 to March 15 across four cities in India, featuring 20 league matches and two knockout games. Following the tournament, Indian players will have over three months before heading to England for a bilateral series comprising five T20Is and three ODIs. Another gap of nearly two months will follow before their next assignment—three home ODIs against world champions Australia in late September—leading into the 50-over World Cup in October.Speaking at a press conference in Mumbai, Harmanpreet Kaur stated, "I think this WPL is going to play a

very big role because this year we have the ODI World Cup. After the WPL, we have a very good window where we can work on our fitness and raise our fitness level. I think that gap will really help us to work really hard on ourselves."Mumbai Indians head coach Charlotte Edwards also shared her insights, particularly on the team's approach and the status of pacer Pooja Vastrakar, who is currently recovering from an injury. "Every player that comes into MI hopefully knows what's expected of them. But equally important is that aggressive approach, which is what we want to have throughout when we bat, bowl, or field-something we tried to instill in most of the players," she said.

Edwards emphasised the importance of players having clarity about their strengths and playing fearless cricket while enjoying the game. "That's what makes me and Jhulan [Goswami, bowling coach and mentor] very happy—when they've got smiles on their faces and they can impact games the way they have done. I thought we played some fantastic cricket last year, and that's all we can ask for.

IND vs ENG, Stats Preview: Virat Kohli, Rohit Sharma eye massive ODI records

IND vs ENG: Virat Kohli and Rohit Sharma have plenty of milestones to look forward to when India and England face off in the three-match ODI series, starting February 6 in Nagpur.

New Delhi. India are all set to cross swords with England in a three-match ODI series as a part of their preparations for the Champions Trophy, which is knocking on the doors. Rohit Sharma and Virat Kohli had a torrid time on the tour of Australia where they struggled to score against the quality Australian pacers, including Scott Boland, Mitchell Starc and Pat Cummins.Rohit and Virat also returned to playing in the Ranji Trophy, but did not taste success. The duo will be desperate to return to form before India step out to play against Najmul Shanto's Bangladesh in India's Champions Trophy opener at the Dubai International Cricket Stadium.

The focus will also be on spinner Varun Chakravarthy, who recently rattled England with 14 wickets including a five-wicket haul in the five-match T20I series. Chakravarthy recently broke into the top five of the ICC rankings for bowlers after his stupendous bowling in the Rajkot T20I.As far as England are concerned, Jos Buttler has his task cut out to bounce back. Joe Root will be playing in his first ODI since the ODI World Cup 2023. Rohit, Virat, Buttler and a few other players, meanwhile, are on the cusp of a few records in the upcoming series.

Here are some of the probable records which could tumble in the India vs England ODI series94 – Runs Virat Kohli needs to complete 14000 runs in ODIs and become

the fastest to the landmark. Sachin Tendulkar holds the record, which he made back in 2006 in his 350th innings.134 – Runs Rohit Sharma needs to complete 11000 ODI runs and become the second-fastest to the milestone. Virat Kohli holds the record after he reached the landmark back in 2019 in his 222nd innings.12 – Runs Virat Kohli needs to become the leading run-scorer by an Indian against England in international cricket. Sachin Tendulkar is the record-holder with 3990 runs from 69 matches.

21 – Runs Virat Kohli needs to become the sixth batter to score 4000 runs against England in international cricket. Don Bradman (5028), Allan Border (4850), Steve Smith (4815), Vivian Richards (4488) and Ricky Ponting (4141 runs) are the other batters to the landmark.24 – Runs Rohit Sharma needs to enter the top 10 of the all-time run-scorers list in ODIs. Currently, Rahul Dravid is at 10th with 10889 runs from 344 matches at an average of 39.16.206 – Runs Virat Kohli needs to become the leading run-scorer for India in ODIs against England. MS Dhoni holds the record with 1546 runs from 48 matches at an average of 46.84.5 – Wickets Mohammed Shami needs to become the fastest Indian to 200 wickets in ODIs. Ajit Agarkar holds the record in 133 innings that he made back in 2004 against Bangladesh in Dhaka.

92 – Runs Jos Buttler needs to become the seventh English batter to score 2000 runs in international cricket against India. Joe Root (3746), Alastair Cook (3253), Kevin Pietersen (2890), Ian Bell (2506), Graham Gooch (2145) and Jonny Bairstow (2076) are the other batters to the milestone.

India vs Pakistan not just 'another' game for Gautam Gambhir: Ravi Shastri

New Delhi. After India head coach Gautam Gambhir dubbed India vs Pakistan as just another game in the Champions Trophy, former cricketers Ravi Shastri and Ricky Ponting joked that there is a lot going on deep in Gambhir's mind and heart.Speaking on the ICC Review, Shastri said that Gambhir's poker face is just for the media and that he would be desperate to win the clash between the arch-rivals in the Champions Trophy 2025.India and Pakistan have been pulled into the same group, as has been the case for several years now. Shastri said that Gambhir would not want to lose a match against Pakistan and be 'that guy' who gets reminded for being the one who lost against the arch-rivals.After India head coach Gautam

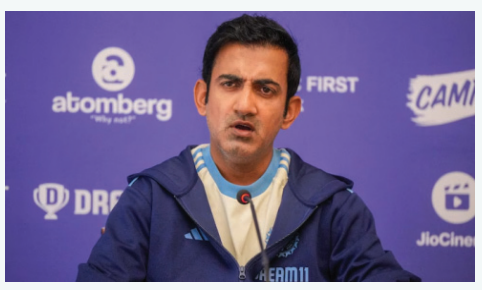

Gambhir dubbed India vs Pakistan as just another game in the Champions Trophy, former cricketers Ravi Shastri and Ricky Ponting joked that there is a lot going on deep in Gambhir's mind and heart.

Speaking on the ICC Review, Shastri said that Gambhir's poker face is just for the media and that he would be desperate to win the clash between the arch-rivals in the Champions Trophy 2025.India and Pakistan have been pulled into the same group, as has been the case for several years now. Shastri said that Gambhir would not want to lose a match against Pakistan and be 'that guy' who gets reminded for being the one who lost against the arch-rivals."People don't care what you have done in the past. They're not bothered about the last 10 games if you won eight or nine. But they'll remind you if you lose one, until the next time you play them.

"It can be a taxi driver, it could be anyone on the street. What happened to India? The same question to Pakistan. What happened to Pakistan? So it always plays on your mind, whether you like it or not, it's a different game. Different beasts altogether."

Shastri's comments came in the backdrop of Gambhir's interview with Star on the night of the BCCI Naman Awards. In that interview, Gambhir was asked about the hype surrounding India vs Pakistan.

Newcastle United knock out Arsenal to reach Carabao Cup final

Newcastle United booked their place in the Carabao Cup final after a comprehensive 2-0 (4-0 on aggregate) victory over Arsenal at St James' Park.

New Delhi. Newcastle United secured a place in the Carabao Cup final after a 2-0 victory over Arsenal at St James' Park, sealing a resounding 4-0 aggregate win. The Magpies, who last won a major trophy in 1955, will now face either Liverpool or Tottenham Hotspur at Wembley next month.

Newcastle's dominant display over both legs ensured they returned to the League Cup final for the second time in three seasons, hoping to go one better than in 2023 when they lost to Manchester United.Arsenal, already facing a two-goal deficit from the first leg at the Emirates, had a mountain to climb. Any hope of a comeback was dashed in the 19th minute when Jacob Murphy pounced on a rebound after Alexander Isak's shot struck the post, putting Newcastle firmly in control.The Gunners' night worsened early in the second half when a defensive lapse allowed Anthony Gordon to capitalise on a misplaced pass, coolly slotting past goalkeeper David Raya in the 52nd minute to put the tie beyond doubt."I was very happy (Odegaard) missed it," Newcastle's Brazilian skipper Bruno Guimaraes said. "That was a big opportunity for them and then I think less than two minutes later we score. It was a game changer."I felt anxious before the game, big game, Arsenal a top, top team but when we play like that we become an amazing team. Play like that and we can dream big."

Mikel Arteta's men, fresh off a stunning 5-1 win over Manchester City, never found their rhythm, and their challenge became even steeper when Gabriel Martinelli was forced off with a hamstring injury before halftime. With key attackers Gabriel Jesus and Bukayo Saka also sidelined, the injury blow could further affect Arsenal's campaign.

Newcastle, spurred on by a jubilant home crowd, managed the remainder of the match with ease, keeping Arsenal at bay and ensuring a return to Wembley. Their Brazilian captain, Bruno Guimar£es, emphasized the importance of Jacob Murphy's opener, acknowledging the game-changing moment following Martin Odegaard's missed opportunity minutes earlier.With Tottenham carrying a slender 1-0 lead into their second leg against Liverpool at Anfield, Newcastle will now await the outcome to determine their opponent in the final. For the Magpies and their passionate supporters, the dream of ending their long silverware drought remains very much alive.

Mere Husband Ki Biwi OTT Release: Where To Stream Arjun Kapoor

Bhumi Pednekar's

Romantic Comedy

Arjun Kapoor, Bhumi Pednekar and Rakul Preet Singh will soon appear in the romantic comedy Mere Husband Ki Biwi. The trailer was released some days back, and the film promises to be chaotic and humorous. Fans are quite excited to see this trio on screen together for the first time. In the latest, it has been revealed which OTT platform would stream the film post its theatrical run.The movie Mere Husband Ki Biwi will be available for streaming on Disney+ Hotstar. If people miss the film in cinemas, they will be able to see it for the first time or relive their experience again on the OTT platform. However, there is currently no information about the film's digital release date.

The trailer provided a glimpse of the turmoil that awaits the audience. It shows Arjun Kapoor's character Ankur stuck between his ex-wife, Bhumi Pednekar, and his fiancee, Antara, played by Rakul Preet Singh. The trailer was full of homour and there was a reference to Arjun's popular character, Danger Lanka, from Singham Again. The logline along with the trailer mentions that the movie is a "hilarious and heartwarming modern-day

romance set in Delhi, where love, fate and unexpected twists put one man in a chaotic dilemma. Caught between a rekindled spark with Antara and an unexpected twist with Prabhleen, Ankur's life takes a hilariously unpredictable turn. Starring Arjun Kapoor, Rakulpreet Singh, Bhumi Pednekar, to name a few."

The film Mere Husband Ki Biwi is directed by Mudassar Aziz. In addition to Arjun Kapoor, Bhumi Pednekar and Rakul Preet Singh, the cast includes Aditya Seal, Dino Morea, Harsh Gujral and others. Vashu Bhagnani and Pooja Entertainment present the film, which is produced by Vashu Bhagnani, Jackky Bhagnani and Deepshikha Deshmukh. This movie will be released in theaters on February 21.

Rakul Preet Singh will next appear in De De Pyaar De 2. Unlike the first installment, which was directed by Akiv Ali, the sequel will be directed by Anshul Sharma. Bhumi will next be seen in Daldal, where she will portray a cop. The web series will premiere on Amazon Prime Video next year. Arjun Kapoor made a noteworthy comeback last year playing the antagonist in Singham Again.

Hina Khan

Breaks Down While Talking About Her Cancer Journey: 'Ask Us, How Hard It Is'

Hina Khan attended a public event on the occasion of World Cancer Day on Tuesday when she broke down while talking about her battle with the disease. A video of the actress has surfaced on social media in which she is seen addressing a group of people. She mentioned that is it not easy to battle cancer and added called for timely testing."You have no idea how big is it when your tests are negative. Ask us, how hard it is. (breaks down) I am so sorry. It is so hard to read those reports, visit a doctor after getting reports and getting a diagnosis. It is better to spend money on testing. It is not a waste of money," Hina said.

Earlier in the day, Hina also spoke to the news agency ANI when she mentioned that it is very important for cancer to be diagnosed on time. She also expressed gratitude to Prime Minister Narendra Modi for initiatives like Ayushman Bharat, which is a national public health insurance scheme."When I was diagnosed with cancer, my treatment was started within 2-3 days. I know how important it is to not lose time. On this World Cancer Day, I want to thank the government's initiatives like Ayushman Bharat. I have seen it in Tata Memorial Hospital and many other hospitals. The people now have the chance of timely treatment which is very important," Hina said.

Hina Khan, who confirmed her cancer diagnosis in June 2024, has been sharing several motivational posts online during her healing journey.Meanwhile, on the work front, Hins was recently seen in Griha Laxmi. In the show, she portrays a simple housewife who becomes the reigning queen of the city's drug world. Last month, Hina spoke exclusively to News18 Showsha when she opened up about promoting the show during cancer treatment."None of this was planned. We weren't waiting to start the promotions of Griha Laxmi and release it after my diagnosis. But now that this is happening, people are relating my character to my real-life personality even more," she said.

Nadaaniyan: Dia Mirza As Ibrahim Ali Khan's Mother In His Debut, Suniel Shetty Will Be Khushi Kapoor's Dad?

Saif Ali Khan's son, Ibrahim Ali Khan, is all set to make his Bollywood debut in Nadaaniyan. Ibrahim will romance Khushi Kapoor in the film; as per a new post by the makers, it seems like Dia Mirza and Jugal Hansraj will play his parents in the film. The post also hints that Suniel Shetty and Mahima Chaudhry will play Khushi Kapoor's parents in Nadaaniyan.In a new post by the makers, a photo features Khushi Kapoor seated with Suniel Shetty for breakfast as Mahima Chaudhry stands behind them, holding them close. Another photo features Ibrahim Ali Khan standing with Jugal Hansraj and Dia Mirza as the actress leaned her head on the debutant actor.

Netflix's synopsis of Nadaaniyan reads, "A South Delhi diva, a middle-class overachiever, and one outrageous plan: hiring him as her fake boyfriend to save her squad. But when real feelings come into play, can they handle the chaos of falling in love?"On Monday, the first song of the film, Ishq Mein, was unveiled at the Next on Netflix event. Ishq Mein is a soulful celebration of love in its purest form and promises to leave audiences captivated. The track is composed by the acclaimed musical duo Sachin-Jigar and is penned by the legendary Amitabh Bhattacharya. The vocals are by Sachet Tandon and Asees Kaur. Ibrahim Ali Khan and Khushi Kapoor danced to the song at the Netflix event.Nadaaniyan gears up to unfold its story of love and take audiences on a whirlwind of emotions and promises to be the perfect blend of mischief, self-discovery, and heart-fluttering romance. The Shauna Gautam film will be released worldwide on Netflix and is produced by Dharmatic Entertainment. The release date of the film is yet to be announced.

Jashwanth Bopanna REACTS To Cheating Allegations Amid Akriti Negi Breakup: 'Far From Truth'

Splitsvilla X5 winner Jashwanth Bopanna has reacted to rumours claiming he was cheating on his former girlfriend, Akriti Negi. Recently, Bopanna slammed social media users claiming he wasn't loyal in his relationship with Negi. He called the claims "false" and asked people not to jump to any conclusion."Just because I'm the only one giving the fans and supporters some clarity doesn't mean I'm at fault in the relationship, neither am I the only one responsible for the breakup. People are jumping to conclusions, stating that I've been unfaithful or that I didn't give the relationship a chance, but that's far from the truth. I'd like to put those rumours to rest," Jashwanth told Etimes.

This comes a day after Jashwanth confirmed his breakup with Akriti. He admitted that it was a difficult decision for both of them and claimed that they decided to part ways because of the change in their equation over some time.

"We decided to part ways because, over time, I felt

Rashmika Mandanna, Triptii Dimri, Aditya Roy Kapur: How social media has redefined 'National Crush'

Priyanka Chopra, Bollywood s ultimate fashionista, is in India celebrating her brother Siddharth Chopra s wedding. At his Mehendi-Sangeet ceremony, she stunned in a bejewelled floral Rahul Mishra gown. However, it was her opulent necklace that truly stole the spotlight. Priyanka wowed everyone with a stunning statement necklace at her brother s Sangeet ceremony.

Juhi Chawla opens up about meeting Shah Rukh Khan and Aamir Khan at Junaid Khan's 'Loveyapa' screening

Juhi Chawla recently had a memorable reunion with Bollywood superstars and her lovely co-stars Shah Rukh Khan and Aamir Khan at Junaid Khan and Khushi Kapoor's 'Loveyapa' screening. Taking to her Instagram handle, she shared some sweet pictures with them and penned a heartfelt note for the same.

AFFIDAVIT

I,Aparna Devi w/o Jay Ram Sahu, Resident of Gamharia, PO & PS - Arki, Dist.- Khunti , Jharkhand vide affidavit no 196 dated 23.12.24. Declare that in my Adhar no. 585626715196, Banta Devi w/o Jay Ram Sahu also showing. My correct Name is Aparna Devi as affidavit for all purpose.